# अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–12 अंक–224 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 13 दिसम्बर 2023 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया


## संक्षिप्त समाचार

### प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय सचिव विजय कुमार लाल श्रीवास्तव ने केंद्र सरकार से देश के किसान नेता पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिए जाने की मांग की। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि चौधरी चरण सिंह सच्चे गांधीवादी,लोकतंत्र भाईचारा और समाजवादी मूल्यों में विश्वास रखने वाले महान जननेता थे। उन्होंने राजनीति में किसानों पिछडो, अति पिछड़ों की पहचान बनाई। चौधरी चरण सिंह ने भाईचारा और सामाजिक न्याय आंदोलन को मजबूत करने के लिए अपने शासन काल में मंडल आयोग और अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया था। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल, पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक, हेमवती नंदन बहुगुणा, कर्पूरी ठाकुर ,जॉर्ज फर्नांडिस ,राज नारायण मधु लिमये, पीलू मोदी, मुलायम सिंह यादव ,शरद यादव किसानों के महान नेता किसान चौधरी चरण सिंह को अपना नेता मानते थे।

### होम्योपैथिक रिव्युलेशन 2023' का आयोजन 24 को

लखनऊ। होम्योपैथिक रिव्युलेशन–2023' का आयोजन 24 दिसंबर को बर्नेट होम्योपैथी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा। कम्पनी के प्रबंधक डॉ.नितीश चंद्र दुबे ने बताया कि उस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, राज्यसभा के सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा के साथ वरिष्ठ भारतीय क्रिकेटर कपिल देव और मदनलाल आमंत्रित किए गए हैं।गोमती नगर के खन्ना विला में आयोजित प्रेसवार्ता के संयोजन डॉ.उमंग खन्ना ने रिबन काट कर इसके पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि उस महा उत्सव में होम्योपैथी चिकित्सकों को सम्मानित भी किया जाएगा। प्रखर वक्ता सुधांशु त्रिवेदी इस आयोजन में शामिल लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ने की राह दिखाएंगे। इसके साथ ही फील्डिंग की दुनिया के बेताज बादशाह जॉन्टी रोड्स, युवा चिकित्सकों से रूबरू होंगे। कविराज कुमार विश्वास की कविताएं हर उम्र के लोगों में उत्साह और आनंद का संचार करेंगी। इसके साथ ही एडीजी यूपी पुलिस आईपीएस नवनीत सिकेरा मोटिवेशनल संवाद स्थापित कर युवाओं में जोश का संचार करेंगे।

# योगी ने कहा-देश का सबसे बड़ा डाटा सेंटर होगा उत्तर प्रदेश में, 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश का मिला प्रस्ताव

लरवनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि आज उत्तरप्रदेश डाटा सेंटर का केंद्र (हब) बन रहा है। उन्होंने कहा कि फरवरी 2023 में आयोजित 'ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें कई प्रस्ताव 'सेमीकंडक्टर बनाने की इकाई और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से संबंधित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। पिछले साढ़े नौ वर्षों में भारत ने अपनी युवा ऊर्जा के लिए संभावनाओं के द्वारा खोले हैं। इसी का नतीजा है कि हर क्षेत्र में देश की तस्वीर बदली है। योगी आदित्यनाथ मंगलवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया के अंदर एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरता हुआ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन (5000 अरब) अमेरिकी डॉलर की बनाने का संकल्प देशवासियों के सामने रखा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भी उस लक्ष्य के साथ एक ट्रिलियन (1000 अरब) अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। आज तकनीक के माध्यम से भ्रष्टाचार पर प्रहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धर्म का मतलब केवल उपासना विधि से नहीं है। भारतीय मनीषा ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक रहने को धर्म माना है। तैत्तिरीय उपनिषद में इस बात का उल्लेख है,'सत्यं वद धर्मं चर यानी सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग करके डिजिटल अस्पताल की दिशा में हम कदम बढ़ा सकते हैं। इससे ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं। समारोह में 315 छात्र–छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गईं।

# पीएमजी ने जारी किया श्री अन्न पर विशेष आवरण

## श्री अन्न पर जारी विशेष आवरण से देश-दुनिया में होगी ब्रांडिंग और प्रचार

लखनऊ। भारतीय डाक विभाग एवं प्रयाग फिलाटेलिक सोसाइटी के तत्वावधान में कार्यक्रम में वाराणसी, प्रयागराज परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने श्री अन्न यानि मिलेट्स पर आज विशेष आवरण व विरूपण का विमोचन किया। प्रधान डाकघर वाराणसी में आयोजित इस कार्यक्रम में इस विशेष आवरण पर अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष पर जारी डाक टिकट लगाकर इसका विरूपण किया गया। पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने विशेष आवरण जारी करते हुए कहा कि मिलेट्स सदियों से हमारे भोजन का पारंपरिक हिस्सा रहे हैं। मिलेट्स फसलों के क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इसकी विशिष्टता के मद्देनजर वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। मिलेट्स को सुपर फूड भी कहा जाता है क्योंकि इनमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं और पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ–साथ अन्य फसलों की तुलना में कम जल और कृषि साधनों की आवश्यकता होती है। आजीविका सृजन और पूरे विश्व में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी व्यापक संभावना की दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पोस्टमास्टर जनरल ने कहा कि डाक टिकट और विशेष आवरण अतीत को वर्तमान से जोड़ते हैं। एक जिला–एक उत्पाद, जीआई उत्पादों से लेकर कृषि उत्पादों तक, विरासतों, विभूतियों और विभिन्न पहलुओं पर डाक टिकट और विशेष आवरण देश दुनिया में इनकी ब्रांडिंग कर नई पहचान दे रहा है और समावेशी विकास के तहत वोकल फॉर लोकल एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मूर्त रूप देते हैं। फिलेटली को हॉबी के रूप में अपनाकर युवा वर्ग भी डाक टिकटों और विशेष आवरणों के माध्यम से जानकारियां प्राप्त कर ज्ञान में रचनात्मक अभिवृद्धि कर सकेंगे। डाक विभाग प्रधानमंत्री की योजनाओं से समाज के हर वर्ग को जोड़ने का प्रयास कर रहा है।

# लखनऊ में अफसर की बेटी से गैंगरेप पर अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया

## अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के जीरो हो जाने का परिणाम है घटना : अखिलेश

लखनऊ। लखनऊ में एक गैंगरेप की घटना पर अब सियासत शुरु हो गई है. राजधानी में चलती एसयूवी कार के अंदर एक सेवारत पीसीएस अधिकारी की 23 वर्षीय बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। घटना बीते 5 दिसबंर को हुई थी। अब इसपर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की की प्रतिक्रिया आई है।सपा प्रमुख ने कहा, श्ये उप्र में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के जीरो हो जाने का परिणाम है,निंदनीय। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के एक्स पर दी है, जिसमें उन्होंने कुछ पेपर की क्लीप भी शेयर की। रविवार रात को ये घटना तब सामने आई, जब पीड़िता ने वजीरगंज पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने सोमवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जिनकी पहचान सत्यम मिश्रा (22), सुहैल (23) और असलम (31) के रूप में हुई है। जांच की निगरानी कर रहे अतिरिक्त डीसीपी पश्चिमी क्षेत्र चिरंजीव नाथ सिन्हा ने कहा कि पीड़िता 5 दिसंबर के दिन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी गई थी, जहां मनोचिकित्सक से इलाज चल रहा था। वह विभाग के गेट के पास एक चाय की दुकान पर गई थी, जिसे आरोपी व्यक्ति चला रहे थे। एडीसीपी ने कहा, हमने 120 कियोस्क,स्टॉलों का सत्यापन अभियान चलाया और उनकी तस्वीरें लीं और उन्हें बचे लोगों को दिखाया।उन्होंने बताया, शफिर हमने सत्यम को उठाया जो सुहैल और असलम की चाय की दुकान पर काम करता था, जिसकी कार का अपराध में इस्तेमाल किया गया था। निगरानी विवरण और सीसीटीवी फुटेज से अपराध में उनकी भूमिका का पता चला। इस घटना के बाद राजधानी में एक बार फिर यूपी पुलिस सवालों के घेरे में है। राजनीतिक दल अब योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

# अंतरराष्ट्रीय ताईक्वाडों प्रतियोगिता में शहर के 6 प्रतिभागी चयनित

हरदोई। 15 दिसम्बर से 17 दिसम्बर के बीच उत्तराखण्ड की राजधानी देहरादून के रायपुर स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम एम.पी.हाल में अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो चौम्पियनशिप प्रतियोगिता में हरदोई जिले व कस्बे के भी 6 होनहार इंटरनेशनल कोच तैय्यब खां के नेतृत्व में प्रतिभाग करेंगे। टीम का नेतृत्व करने वाले शाहाबाद ताइक्वांडो एकेडमी के संरक्षक मोहम्मद तैय्यव ने बताया देहरादून में होनी वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हरदोई जिले व कस्बे के अनुष्कर दीक्षित, हर्ष देववंशी, प्रिया कश्यप, रोहिनी शर्मा, पिंटू गुप्ता, शिवम सिंह भाग लेगे। उन्होंने बताया कि उक्त प्रतिभागियों में ब्लैक बेल्ट अनुष्कर दीक्षित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है, जिन्होंने सन् 2018 में पंजाब के अमृतसर में हुई इंटरनेशनल प्रतियोगिता में पदक जीत जिले का नाम रोशन किया था। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य सभी प्रतियोगी पिछले कई महीनों से कड़ी मेहनत कर रहे है, ताकि वह प्रतियोगिता में अधिक से अधिक पदक जीतकर एकेडमी सहित जिले व कस्बे का नाम रोशन कर सके। हमारे हर बच्चे हर स्तर पर पदक जितने में काबिल है, जो पदक जीत जिले का नाम देश में रोशन करेंगे। 14 दिसम्बर को उनकी टीम देहरादून के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा कि हमे फक्र है कि आज बेटियाँ भी स्वरक्षा हेतु ताइक्वांडो सीख रही है। उन्होंने अफसोस जताते हुए बताया, कि जिले मे ताइक्वांडो खेलध को लेकर शासन प्रशासन सहित जन प्रतिनिधियों द्वारा अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, जबकि जनपद में ताइक्वांडो के छात्र अंतराष्ट्रीय खेलो में अपना परचम लहरा चुके हैं।

# एलडीए के विशेष निबंधन शिविर में 47 आवंटियों की रजिस्ट्री की गयी

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाये गये 15 दिवसीय विशेष निबंधन शिविर में मंगलवार को 47 आवंटियों की रजिस्ट्री की गयी, जबकि 31 सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए फाइल तैयार करायी गयी। इस दौरान रजिस्ट्री के लिए 11 नये आवेदन प्राप्त किये गये। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा समय–समय पर विभिन्न आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों का आवंटन किया गया है। इनमें काफी संख्या में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री अभी तक नहीं हो पायी है। कैम्प में गणना, लेखा, नियोजन व सम्पत्ति अनुभाग के समस्त सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे, जिनके द्वारा आवंटियों के पक्ष में रजिस्ट्री के लिए वांछित कार्यवाही की गयी। इस क्रम में 47 आवंटियों की रजिस्ट्री अनुमोदित की गयी। जिसमें विभिन्न अपार्टमेंट्स के फ्लैट, शारदा नगर, गोमती नगर व कानपुर रोड योजना की सम्पत्तियां शामिल हैं। अपर सचिव ने बताया कि शिविर के अंतिम पांच दिनों में निबंधन विभाग के अधिकारी भी कैम्प में उपस्थित रहेंगे। इससे सम्पत्तियों के निबंधन सम्बंधी दस्तावेज तैयार करने तथा उनके पंजीयन की कार्यवाही एक ही जगह हो जाएगी। शिविर में विशेष कार्याधिकारी राजीव कुमार, देवांश त्रिवेदी, रविनंदन सिंह, रोहित सिंह एवं उप सचिव अतुल कृष्ण समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

# पीएम की जनसभा का घर-घर कुंडी खटकाकर बुलावा देंगे जनप्रतिनिधि,

वाराणसी। वाराणसी में पीएम मोदी के स्वागत एवं जनसभा में एक लाख भीड़ के लक्ष्य के लिए भाजपा ने रणनीति तैयार कर ली है। जिले की आठ विधानसभा क्षेत्रों में प्रभारियों को भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी दी है। एक लाख के लक्ष्य को पूरा करने के लिए बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल, विधानसभा एवं जिला स्तर पर सभी को अपना टारगेट बांटा गया है। वहीं विधायक से लेकर प्रधान तक सभी जनप्रतिनिधियों को घर–घर जाकर पीएम के स्वागत में आने का आमंत्रण दिया जा रहा है। भाजपा के काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल ने बताया कि 18 दिसंबर को सेवापुरी विधान सभा के बरकी ग्राम में काशी के सांसद और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा की व्यवस्था को 18 विभागों में बांटा गया है। प्रत्येक विभाग के प्रमुख को अपनी टीम बनानी है। क्षेत्र अध्यक्ष ने कहा कि व्यवस्था में लगे कार्यकर्ताओं को उनके कार्यों से अवगत करा दिया गया है। सभी विभागों के व्यवस्था प्रमुख 48 घंटे के अंदर अपनी टीम बनाकर उनकी जिम्मेदारी तय कर देंगे। संख्या की दृष्टि से विधानसभा स्तर पर बनाए गये प्रभारियों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए कहा कि जनसभा के लिए पार्टी ने एक लाख का लक्ष्य तय किया है। जिले की आठों विधानसभाओं से बसों चार पहिया वाहनों, टेम्पो, टोटो एवं दो पहिया वाहनों आदि माध्यमों से लोग जनसभा स्थल पहुंचेंगे। एक लाख की संख्या को व्यवस्थित ढंग से लाने की जिम्मेदारी आप सभी की है। एमएलसी अश्वनी त्यागी ने कहा कि स्वच्छता प्रधानमंत्री जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। प्रधानमंत्री जब काशी आते है तो वाराणसी जिले एवं महानगर में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाया जाता है। 17 दिसम्बर को प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र आ रहे हैं और इसके लिए जिले व महानगर के किसी एक स्थान पर स्वच्छता अभियान की शुरुआत 12 से 17 दिसम्बर तक निरंतर चलेगा। वंचित एवं पात्र लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी लाभ मिले, इसके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा चल रही है। पीएम की रैली को लेकर आयोजित बैठक में महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय, क्षेत्रीय महामंत्री अशोक चौरसिया जिला अध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा पूर्व विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह, सुशील त्रिपाठी, संतोष पटेल, राकेश शर्मा, प्रदीप अग्रहरि, राजेश राजभर, संतोष सोलापुरकर, नंदजी पांडेय, राहुल सिंह, संजय सोनकर अनिल श्रीवास्तव, जगदीश त्रिपाठी, अशोक पटेल, एडवोकेट अशोक कुमार, सुरेंद्र पटेल, मधुकर चित्रांश, आलोक श्रीवास्तव, आत्मा विश्वेश्वर, प्रभात सिंह , अशोक राय, अभिषेक मिश्रा, विजय गुप्ता, शैलेष पांडेय सहित व्यवस्था में लगे प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बरकी में 18 दिसम्बर को होने वाली जनसभा के लिए जिला प्रशासन ने 50 एकड़ जमीन पर मंगलवार सुबह से पंडाल लगाने, बैरीकेडिंग व पार्किंग का काम शुरू भी हो गया। इसके लिए ट्रकों से टेंट के सामान पहुंचाया गया। मुजफ्फरनगर की एक फर्म को पंडाल निर्माण आदि का जिम्मा दिया गया है। पुलिस कमिश्नर मुथा अशोक जैन, डीएम एस. राजलिंगम, अपर पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) एस. चनप्पा, डीसीपी प्रबल प्रताप सिंह समेत कई अधिकारियों ने पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। सीपी और डीएम ने सभास्थल और निर्माणाधीन हेलीपैड का निरीक्षण किया। पीडब्ल्यूडी के जेई को हर हाल में बुधवार रात तक सभास्थल जाने वाली सड़क को ठीक कराने का निर्देश दिया। सम्भावना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जल्द ही सभास्थल का निरीक्षण करने जाएंगे।

# 'यूपी जोडो यात्रा'' की तैयारियों को लेकर बैठक

लखनऊ। आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर दिनांक 15 दिसम्बर 2023 से प्रारम्भ होने वाली ''यूपी जोडो यात्रा'' की तैयारियों को लेकर पूर्व सांसदों एवं विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ0 उमा शंकर पाण्डेय ने जारी प्रेस बयान में जानकारी देते हुए बताया कि उपस्थित पूर्व सांसदों एवं विधायकों ने एक–एक कर यात्रा को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किये। उपस्थित सांसदों एवं विधायकों एवं यात्रा के साथ साथ संगठन को गतिशीलता प्रदान किये जाने के विषय पर अपने सुझाव नेतृत्व के समक्ष रखे जिस पर गंभीरता पूर्वक विचार किया गया। प्रवक्ता ने आगे बताया कि बैठक के उपरान्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए 15 दिसम्बर 2023 से प्रारम्भ होने वाली ''यूपी जोडो यात्रा'' के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि हम इस यात्रा के माध्यम से जिलों में गांव–गांव पांव–पांव एवं शहरों में नगर–नगर डगर–डगर चलकर प्रदेश की जनता तक पहुंचकर केंद्र एवं प्रदेश की सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों से अवगत करायेंगे। इस यात्रा में जनपद के पदाधिकारियों के साथ साथ वरिष्ठ कांग्रेस जन भी शामिल होंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी हाल में हुए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर बात करते हुए कहा कि जनता लोकतंत्र की मालिक है। हम अपने संगठन को और भी अधिक मजबूत बनाने के लिए मेहनत करेंगे साथ जहां कहीं भी हमसे चूक हुई है उसकी जानकारी कर उसे सुधारने का प्रयास कर जनता की बीच जाकर अपनी बात रखेंगे। प्रवक्ता डॉ0 उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी उत्तर प्रदेश सर्वश्री धीरज गुर्जर, प्रदीप नरवाल, नीलांशु चतुर्वेदी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता श्रीमती आराधना मिश्रा मोना एवं विधायक वीरेन्द्र चौधरी जी, पूर्व सांसद श्री निर्मल खत्री, राजेश मिश्रा, प्रदीप जैन आदित्य, पी0एल0 पुनिया, कमल किशोर कमाण्डो, रवि प्रकाश वर्मा, मोहम्मद मुकीम, पूर्व विधायक सुनील शास्त्री, श्री सतीश अजमानी, हरीश बाजपेई, सतीश शर्मा, प्रदीप माथुर, श्याम किशोर शुक्ला, भगवती प्रसाद चौधरी, इन्दल रावत, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, नकुल दुबे, दीपक कुमार, अम्बिका सिंह, भूधर नारायण मिश्रा, नेकचन्द्र पाण्डेय, अशोक कुमार सिंह, धीरेन्द्र सिंह धीरू, विवेक बंसल, श्री छोटेलाल गंगवार, हाजी इकराम कुरैशी, मुईद अहमद, अफसर यू अहमद, सुरेन्द्र सिंह, संजीव दरियाबादी, बहादुर नारायण मिश्रा, गयादीन अनुरागी, मोहम्मद रमजान आदि मौजूद रहे।

# विकास-पूर्ण बहुमत की सरकारें पीएम मोदी की गारंटी,

## पीएम मोदी का नेतृत्व में काशी का कायाकल्प : नीलकंठ तिवारी

वाराणसी। वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन दशाश्वमेध जोनल कार्यालय में किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री एवं शहर दक्षिणी विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यूपी सरकार और केंद्र सरकार की योजनाएं बताई और जनता को मिलने वाले लाभ भी गिनाए। कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए उपस्थित जनों के साथ संकल्प लिया। उन्होंने कहा, विकसित भारत संकल्प यात्रा पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र एवं शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की गारंटी लेकर निकली है। केंद्र की मोदी सरकार की योजनाएं गांव, गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान, व्यापारी और महिलाओं के जीवन में खुशहाली लाने के गारंटी है। एलसीडी वैन के माध्यम से मोदी सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क उज्जवला गैस कनेक्शन, आपूर्ति एवं विपणन विभाग द्वारा राशनकार्ड, आधार सेवा केंद्र, निशुल्क आयुर्वेदिक दवा वितरण, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की ओर से आवास योजना के कैंप लगाए गए। इस अवसर पर मुख्य रूप से महानगर उपाध्यक्ष इंजीनियर अशोक यादव, आत्मा विसेश्वर, मंडल अध्यक्ष गोपाल जी गुप्ता, पार्षद इंद्रेश सिंह, संजय केशरी, श्रवन गुप्ता, अमरेश गुप्ता, सहायक नगर आयुक्त व जोनल अधिकारी संजय तिवारी, मंडल महामंत्री राजीव सिंह आदि सहित क्षेत्र की सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

# सम्पादकीय

## विष्णुदेव साय का नाम आगे करके भाजपा ने देशभर के आदिवासी वर्ग को साध लिया है

विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री घोषित करके भारतीय जनता पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीवंत आदिवासी समाज को उन्नति के नये शिखर एवं राजनीति में समुचित प्रतिनिधि देने के लिये प्रतिबद्ध हैं। द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनाकर उन्होंने इस समुदाय की आशाओं पर खरे उतरने की कोशिश की है। निश्चित ही विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने से आदिवासी समुदाय में खुशी जगी है, छत्तीसगढ़ के साथ–साथ पड़ोसी राज्य झारखंड और ओडिशा में भी भाजपा को लाभ मिलेगा, वहीं मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान के आदिवासी समुदाय के लोगों भी प्रभावित किया जा सकेगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विष्णुदेव साय का निर्णय नया राजनीतिक धरातल तैयार करेगा एवं नयी राजनीतिक दिशाओं को उद्घाटित करेगा।

जमीन से जुड़े, विनम्र, ईमानदार एवं सादगीप्रिय विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा की दूरगामी सोच एवं राजनीतिक परिपक्वता से जुड़ी साहसिक एवं करिश्माई राजनीति की निष्पत्ति है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि अब तक चार बार के सांसद, तीन बार के विधायक और छत्तीसगढ़ में भाजपा के अध्यक्ष की कमान एवं केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। 26 साल की उम्र में ही पहली बार विधायक बनने वाले विष्णुदेव के दिवंगत दादा बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक विधायक रह चुके हैं। उनके दिवंगत ताऊ नरहरि प्रसाद साय भी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। विष्णुदेव साय ने ताज़ा चुनाव कुनकुरी विधानसभा सीट से लड़ा था, जिसमें उन्होंने 25 हजार 541 वोटों से जीत दर्ज की। कम बोलने और बेहद विनम्र माने जाने वाले विष्णुदेव साय को, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बेहद करीबी माना जाता है। निश्चित ही उनकी मुख्यमंत्री की पारी ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण बनेगी। 21 फरवरी 1964 को एक आदिवासी परिवार में जन्में विष्णुदेव साय ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी के लोयला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है।

अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे। अमित शाह ने बड़ा आदमी बनाने का अपना वायदा इतना जल्दी पूरा कर दिया है। वैसे भी 32 फ़ीसद आदिवासी जनसंख्या वाले छत्तीसगढ़ की विधानसभा में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 पर भाजपा के कब्ज़े के बाद माना जा रहा था कि किसी आदिवासी विधायक को भाजपा मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बना सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद से ही भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया है। भ्रष्टाचार में लिप्त विपक्षी पार्टी के नेताओं के घरों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की रेड हो रही है। झारखंड के कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के घर पर इनकम टैक्स की रेड और 500 करोड़ रुपए की बरामदी हुई है। इसलिये भाजपा ईमानदार नेताओं को आगे लाना चाहती है, विष्णुदेव साय जमीन से जुड़े हैं, आदिवासी हैं और लंबे समय से राजनीतिक जीवन में रहने के बावजूद भ्रष्टाचार के आरोपों से दूर हैं। ऐसे में वे भाजपा के इस कैटेगरी में एकदम फिट बैठे और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी। ईमानदारी के साथ विनम्रता भी उनकी बड़ी विशेषता है। एक दिन पहले उन्होंने कहा– "विनम्रता को कमज़ोरी नहीं मानना चाहिए। मैं तो इसे अपनी ताक़त मानता हूं और मेरी कोशिश रहेगी कि आजीवन विनम्र बना रहूं।" राजनीतिक स्वार्थ के चलते आजादी के बाद से जंगलों और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले आदिवासियों को हमेशा से दबाया और कुचला जाता रहा है जिससे उनकी जिन्दगी अभावग्रस्त ही रही है। कांग्रेस ने आदिवासी के नाम पर सत्ता तो अनेक बार हासिल की, लेकिन उनके कल्याण के लिये कोई ठोस काम नहीं किये। जबकि आदिवासी समुदाय को कांग्रेस विचारधारा का ही माना जाता रहा है, लेकिन नरेन्द्र मोदी ने अपनी सूझबूझ एवं विवेक से आदिवासी लोगों का दिल जीता है। वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी गुजरात के आदिवासी इलाके कवांट में जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में एक समारोह में 15 हजार करोड़ की वनबंधु योजना की शुरुआत की। इन दिनों इन्हीं जैन मुनि की चर्चा चुनाव सभाओं में एवं गुजरात की एक सभा में प्रधानमंत्री ने की। उनके मन में आदिवासी कल्याण की भावना है। राजनीति जोड़तोड़ की दृष्टि से देखा जाये तो कांग्रेस जहां मुस्लिम वोटों का ध्रुवीकरण एवं तुष्टिकरण कर रही है तो भाजपा के लिये आदिवासी समुदाय ही रौशनी बनते हुए दिख रहे हैं। निश्चित ही आगामी लोकसभा चुनाव में इन आदिवासी वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका बनने वाली है।

जब भाजपा हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आदिवासियों में एक बड़ी समस्या धर्म परिवर्तन की है। प्रलोभनों एवं साम्प्रदायिक ताकतों के कारण कई आदिवासी अपने धर्म को बदलकर आदिवासी समाज से बाहर हो रहे हैं जिसमें ईसाई धर्म को सर्वाधिक स्वीकार गया है। ईसाई मिश्नरियों ने भारत के आदिवासी क्षेत्र छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा, अंडमान निकोबार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र में धर्मांतरण के लिये विद्यालयों एवं छात्रावासों में सफल अभियान चलाया है। ऐसे में आदिवासी की अपनी संस्कृति एवं उनका अस्तित्व खतरा में आ गया। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से वनों में रहता आया है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवासी थे परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर, महानगर। यहीं से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनवासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। भारत में लगभग 25 प्रतिशत वन क्षेत्र है, इसके अधिकांश हिस्से में आदिवासी समुदाय रहता है। लगभग नब्बे प्रतिशत खनिज सम्पदा, प्रमुख औषधियां एवं मूल्यवान खाद्य पदार्थ इन्हीं आदिवासी क्षेत्रों में हैं। भारत में कुल आबादी का लगभग 11 प्रतिशत आदिवासी समाज है। इसी बड़ी आबादी को प्रभावित करने के लिये द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना एवं विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा की परिपक्व राजनीति को दर्शाता है। विष्णुदेव साय का निर्णय राज्य में आदिवासी वोटर्स को ध्यान में रखते हुए सामने आया है। इससे पहले भी आदिवासी वोटर को साधने के लिए भाजपा ने कई सकारात्मक घोषणाएं की हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा एक सोची–समझी रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है।

स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे अनेक महान् आदिवासी हुए हैं जिन्होंने भारत की मिट्टी एवं उसके स्वतंत्र अस्तित्व–आजादी के लिए अपना बलिदान एवं महान योगदान दिया। ऐसे महान वीर आदिवासियों से भारत का इतिहास समृद्ध है, जिनमें अप्पा साहब, तात्या टोपे, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर, जयपाल सिंह मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गंडाधुरा, शहीद रानी दुर्गावती, शहीद बिरसा मुंडा, शहीद सिद्धों, कानु, शहीद तिलका मांझी, शहीद गेंद सिंह, झाड़ा सिरहा जैसे महान आदिवासियों ने अपना बलिदान देकर समाज एवं देश के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिर क्या कारण है कि इस जीवंत एवं मुख्य समाज को देश की मूल धारा से काटने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। आजादी के बाद बनी सभी सरकारों ने इस समाज की उपेक्षा की है। यही कारण है कि यह समाज अनेक समस्याओं से घिरा है। भाजपा आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने के प्रयासों को नियंत्रित करने एवं सक्रिय होकर आदिवासी कल्याण की योजनाओं को लागू करने में जुटी है। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में आदिवासी वोट काफी अहम होगा। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में फिर आदिवासी कार्ड खेला है। विष्णुदेव साय प्रभावी आदिवासी नेता हैं और आदिवासी समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ है। भाजपा रणनीति के तहत आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग को साधने की कोशिश शुरू कर दी है जिसके चमत्कारी परिणाम आयेंगे।

# यह तो जातिवाद का विरोध नहीं, हिमायत है!

जाति व्यवस्था का सार, ऊंच–नीच पर आधारित सामाजिक स्तर विभाजन में है। लेकिन, संस्कृति या परंपरा या धर्म के नाम पर, इसका औचित्य सिद्घ करना संभव नहीं हो और इस सच्चाई को नकारना भी संभव न हो, तो जाति व्यवस्था को ही जातिगत पहचानों के ऐसे गत्रड्डर में तब्दील करने की कोशिश की जाती है, जिसमें साथ रखी गई जाति इकाइयां आपस में ऊंच–नीच के किसी दमनकारी रिश्ते में बंधी ही नहीं होती हैं। मेरे लिए देश की चार सबसे बड़ी जातियां हैं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति गरीब हैं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति हैं युवा, मेरे लिए सबसे बड़ी जाति हैं, महिलाएं। मेरे लिए सबसे बड़ी जाति हैं किसान। और इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा। अगर चार का हो जाएगा तो इसका मतलब सब का हो जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल के विध ाानसभाई चुनावों के नतीजे आने से ऐन पहले, विकसित भारत संकल्प यात्रा के सिलसिले में लाभार्थियों से अपने बहुप्रचारित संवाद के क्रम में, जातियों की अपनी यह नयी, परिभाषा और पहचान पेश की थी। कहने की जरूरत नहीं है कि जब प्रधानमंत्री बार–बार सबसे बड़ी जाति, सबसे बड़ी जाति कहते हैं, तो वह एक प्रकार से यही दावा कर रहे होते हैं कि उनकी नजर में अगर कोई वास्तविक जातियां हैं तो यही चार हैं और बाकी जिन्हें जातियों के रूप में सब अब तक मानते आए हैं, वे अगर मिथ्या नहीं भी हों तो भी, इस बड़ी सच्चाई के सामने, कमतर सच्चाइयां जरूर हैं। इस तरह, नयी जातियां गढ़कर, जातियों की पारंपरिक पहचान के सामने खड़ी करने और इसके जरिए, जाति व्यवस्था की सच्चाई को ही नकारने की यह कसरत, प्रधानमंत्री ने उसके बाद से इस तरह बार–बार दोहराई है कि इसके वास्तविक अर्थ पर गौर करना जरूरी हो जाता है। वास्तव में इस सिलसिले की शुरूआत तो हाल के विधानसभाई चुनावों के और खासतौर पर तीन हिंदीभाषी राज्यों में चुनाव के प्रचार के दौरान ही हो गई थी। जब इन हिंदीभाषी राज्यों में भाजपा की मुख्य राजनीतिकध चुनावी प्रतिद्वंद्वी की हैसियत से कांग्रेस ने जाति गणना का मुद्दा प्रमुखता से उठाना शुरू किया और उसकी सरकारों ने अपने–अपने राज्यों में जाति–आध ाारित गणना कराने का ऐलान कर दिया और आम तौर पर इस पार्टी ने जाति गणना कराने का जोर–शोर से वादा करना शुरू कर दिया और बिहार में जाति सर्वे के नाम से जाति गणना के आंकड़े प्रकाशित किए जाने के साथ, जाति गणना का प्रश्न चुनावी रूप से भी महत्वपूर्ण हो जाने के आसार दिखाई देने लगे, इस मुद्दे के संभावित प्रभाव की काट करने के लिए प्रधानमंत्री ने, असली जाति बनाम झूठी जाति की उक्त जुमलेबाजी की शुरूआत की थी। यह दूसरी बात है कि इसके साथ ही घनघोर बौद्धिक मौकापरस्ती का परिचय देते हुए प्रध ाानमंत्री, इसकी दुहाई देने का भी कोई मौका नहीं छोड़ रहे थे कि वह चूंकि एक गरीब ओबीसी हैं, इसीलिए विपक्ष के हमलों के निशाने पर हैं! इसके साथ ही साथ, प्रधानमंत्री जाति गणना की मांग को बांटने वाली और वास्तव में इशारों में बहुसंख्यक हिंदुओं को बांटने वाली गणना बताने में भी लगे हुए थे। यह दूसरी बात है कि इसके बावजूद, जाति गणना के सीध ो विरोध में आने से बचते हुए, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत भाजपा नेतागण, यह मनवाने में भी लगे हुए थे कि वे जाति गणना के खिलाफ नहीं थे, जिसका सबूत यह था कि जब नीतीश कुमार ने बिहार में जाति सर्वे कराने का निर्णय लिया था, गठबंधन में उनकी सहयोगी की हैसियत से, भाजपा की भी सहमति से ही उक्त निर्णय लिया गया था। यह दिखावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि आम तौर पर जाति गणना का विरोध करने के अलावा, मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर, शुरू में बिहार के जाति सर्वे को अवैध बताने की कोशिश की थी, हालांकि बाद में इसके संभावित राजनीतिकध चुनावी परिणामों को भांपकर, केंद्र सरकार के हलफनामे के उक्त पैरा को शगलतीश कहकर वापस ले लिया गया था। बहरहाल, हाल के विधानसभाई चुनावों के नतीजे आने और खासतौर पर हिंदी पट्टड्ढी के तीन महत्वपूर्ण राज्योंकृ मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा राजस्थानकृमें भाजपा की प्रभावशाली जीत के बाद से, जाति–जनगणना के मुद्दे पर संघ–भाजपा खुले विरोध के अपने मूल रुख पर लौट आए लगते हैं। इस चुनाव के समय, जब संघ–भाजपा इस मुद्दे पर एक हद तक अपना बचाव ही करते नजर आते थे, कई टिप्पणीकारों का यह कहना था कि इन चुनावों में भाजपा को अगर धक्का लगता है या जाति गणना की मांग असरदार साबित होती है, तो आम चुनाव से पहले ही भाजपा खुद जाति गणना की पैरोकार बन जाएगी। लेकिन, चूंकि इस चुनाव में जाति गणना की मांग खास असरदार साबित नहीं हुई है, संघ–भाजपा इस गणना के खुले विरोध के अपने मूल रुख पर लौट गए लगते हैं। प्रधानमंत्री की असली जाति बनाम झूठी जाति की जुमलेबाजी, इसी का इशारा करती है। यह किसी से छुपा हुआ नहीं है कि जाति गणना के मुद्दे पर संघ–भाजपा का और इसलिए मोदी सरकार का भी रुख, शुरू से ही विरोध का रहा था। यह रुख तब खुलकर सामने आ गया, जब पिछली यूपीए सरकार के आखिरी वर्षों में कराई गई सामाजिक–आर्थिक दर्जे की गणना के आंकड़ों का नीति–निर्धारण के लिए उपयोग करना तो दूर, मोदी सरकार ने इन आंकड़ों को ही गैर–भरोसेमंद कहकर, सीध ो–सीधे खारिज कर दिया। उल्टे मोदी के पहले कार्यकाल के शुरूआती सालों में ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने, संघ परिवार के मूल मनुवादी तथा इसलिए आरक्षणविरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए, आरक्षण की व्यवस्था के जारी रहने के औचित्य पर ही सवाल उठाते हुए, इसकी समीक्षा का समय आ जाने का ऐलान कर दिया था।

लेकिन, उसके कुछ ही समय बाद हुए बिहार के विधानसभाई चुनाव में, भागवत के उक्त ऐलान के नुकसान को कम करने के लिए उन्हें जितनी तथा जैसी सफाइयां देनी पड़ी थीं, उससे संघ–भाजपा ने यह समझ लिया था, सीधे आरक्षण की व्यवस्था का विरोध करना राजनीतिक रूप से असह्यड्ड रूप से महंगा पड़ सकता है। उसके बाद से उन्होंने सीधे आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना या उस पर सवाल उठाना तो बंद कर दिया है, लेकिन कथित ऊंची जाति के गरीबों के शसुदामा आरक्षणश जैसी व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने के जरिए परोक्ष रूप से, ऐतिहासिक सामाजिक दमन की सच्चाई और उसके शमन के साध ान के रूप में आरक्षण की व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिशें फिर भी जारी रही हैं। जानी–पहचानी जाति विभाजन की सच्चाई के सामने, गरीबों या महिलाओं या युवाओं या किसानों की वंचितता को खड़ा करने की प्रधानमंत्री की जुमलेबाजी, उक्त कोशिशों की ही निरंतरता में है। यह बात याद रखने वाली है कि प्रधानमंत्री जब जाति की जानी–पहचानी सच्चाई के सामने, बड़ी या ऊंची सच्चाई के रूप में किसानों या गरीबों या महिलाओं या युवाओं की चिंता को रखने की लफ्फाजी करते हैं, तो वह किसानों, गरीबों आदि की चिंताओं को रेखांकित करने की नहीं बल्कि जाति व्यवस्था की सब की जानी–पहचानी सच्चाई को ही नकारने की कोशिश कर रहे होते हैं। यह संघ–भाजपा के बुनियादी विचारधारात्मक रुख के ही अनुरूप है, जो मनुवाद पर या ब्राह्मड्डणवाद पर आधारित है और इसलिए, भारतीय समाज में जाति व्यवस्था की सच्चाई को ही नकारने की कोशिश करता हैय सीधे–सीधे इसका औचित्य सिद्घ करना मुश्किल जो है। सभी जानते हैं कि जाति व्यवस्था का सार, ऊंच–नीच पर आधारित सामाजिक स्तर विभाजन में है। लेकिन, संस्कृति या परंपरा या धर्म के नाम पर, इसका औचित्य सिद्घ करना संभव नहीं हो और इस सच्चाई को नकारना भी संभव न हो, तो जाति व्यवस्था को ही जातिगत पहचानों के ऐसे गत्रड्डर में तब्दील करने की कोशिश की जाती है, जिसमें साथ रखी गई जाति इकाइयां आपस में ऊंच–नीच के किसी दमनकारी रिश्ते में बंधी ही नहीं होती हैं। संघ–भाजपा ने, एक ओर एक दमनकारी व्यवस्था के रूप में जाति व्यवस्था की सच्चाई को नकारते हुए भी, इस दमनकारी रिश्ते से काटकर, जातिगत पहचानों को ही अपने साथ गोलबंद करने में खासी महारत हासिल कर ली है। जातिगत पहचानों के साथ इस तरह का रिश्ता, एक ओर अलग–अलग जाति–आधारित समूहों का समर्थन हासिल करना संभव बनाता है और दूसरी ओर, वंचित जाति समूहों के भी जाति–व्यवस्था के विरुद्घ आवेग को वैचारिक रूप से बधिया करने का काम करता है। यह जातिवाद का विरोध या उस पर हमला नहीं, जाति व्यवस्था का बचाव, उसकी हिमायत ही है। नरेंद्र मोदी की नयी सबसे बड़ी जातियों की खोज, कथित नयी बड़ी जातियों को तो कुछ नहीं देगी, जाति व्यवस्था विरोधी आवेगों से, जिनमें जाति गणना, आनुपातिक आरक्षण की मांग आदि शामिल हैं, इस व्यवस्था को बचाने का ही काम करेगी।

# कॉप 28 जलवायु परिवर्तन पर सैन्यीकरण के प्रभाव का संज्ञान लेने में विफल

यह स्वागत योग्य है कि दुनिया भर से 80000 से अधिक प्रतिभागी जलवायु संकट को कम करने की रणनीतियों पर विचार–विमर्श करने के लिए दुबई में एकत्र हुए हैं, जिसे अगर रोका नहीं गया तो विनाशकारी होगा। यह घटना ऐसे समय में हो रही है जब महज 2600 किलोमीटर की दूरी पर गाजा में इजरायल द्वारा निर्दोष नागरिकों पर बमबारी के परिणामस्वरूप भयावह मानवीय संकट सामने आ रहा है। इससे 16000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गये हैं जिनमें से 70 फीसदी महिलाएं और बच्चे हैं और इसने बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है जिससे लोग बेघर हो गये हैं। कोई भी सैन्य गतिविधि जलवायु संकट को बढ़ाती है। अब तक यह सर्वविदित है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में सैन्य गतिविधि का योगदान 5.5 फीसदी होने का अनुमान है। हाल के वर्षों में हमने दुनिया भर में सैन्य खर्च में पर्याप्त वृद्धि देखी है। फिलहाल यह पहले से कहीं ज्यादा है। 2022 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2240 बिलियन डॉलर हो गया, जिसमें से 82.9 बिलियन डॉलर अकेले परमाणु हथियारों पर खर्च किये गये। सरकारों द्वारा सैन्य व्यय पर रिपोर्टिंग हमेशा एक गुप्त मामला होता है और शसुरक्षा कारणोंश से सैन्य संबंध ी गतिविधियों की रिपोर्टिंग में कोई पारदर्शिता नहीं होती है। ग्लोबल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड कॉन्फ्लिक्ट और पर्यावरण वेधशाला के वैज्ञानिकों के डॉ. स्टुअर्ट पार्किंसन और लिन्से कॉटरेल ने एक अध्ययन सैन्य के वैश्विक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन का आकलन में बताया है कि यदि दुनिया की सेनाएं एक देश होतीं, तो इस आंकड़े का मतलब होता कि उनके पास दुनिया में चौथा सबसे बड़ा राष्ट्रीय कार्बन फुटप्रिंट– रूस से भी अधिक होता। शोधकर्ताओं ने पाया कि यूक्रेन युद्ध के पहले 12 महीनों में 1190 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन हुआ, जितना कि बेल्जियम ने इसी अवधि में उत्पादित किया था। यह सैन्य उत्सर्जन को मजबूती से मापने और संबंधित कार्बन पदचिह्न को कम करने के लिए ठोस कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है– खासकर जब ये उत्सर्जन यूक्रेन में युद्ध और गाजा में इजरायली आक्रामकता के मद्देनजर बढ़ने की संभावना है।

इसलिए यह जरूरी है कि कॉप 28 में विचार–विमर्श के दौरान निरस्त्रीकरण को मुख्य स्थान दिया जाना चाहिए। पिछला कॉप 27 भी निरस्त्रीकरण पर कोई बयान जारी करने में विफल रहा था और ऐसा प्रतीत होता है कि इस बार भी वैसा ही अंतिम परिणाम होगा। हालांकि इस बार इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर (आईपीपीएनडब्ल्यू) सहित कुछ संगठनों ने इस मुद्दे को उजागर करने का एक मुद्दा बनाया, अगर मुख्य मंच पर नहीं, तो कम से कम प्रतिभागियों के बीच। यह अजीब बात है कि कॉप 28 में एक घोषणा को अपनाया गया जिसमें राष्ट्रों से स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने ग्रीन–हाउस गैस उत्सर्जन को तेजी से, स्थायी रूप से और पर्याप्त रूप से कम करने का आह्वान किया गया। ऐसा तब हुआ है जब सैन्य गतिविधि द्वारा कुल उत्सर्जन के 5.5 फीसदी की तुलना में वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र द्वारा 4.4 फीसदी उत्सर्जन होता है। जबकि सैन्य गतिविधि मारने के लिए है, स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र जीवन को बनाये रखने के लिए है। आईपीपीएनडब्ल्यू ने आगे चेतावनी दी है कि युद्ध जारी रहने से परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा हो सकता है जो विनाशकारी होगा। इरा हेलफैंड पूर्व सह–अध्यक्ष इंटरनेशनल फिजिशियन फॉर द प्रिवेंशन ऑफ न्यूक्लियर वॉर (आईपीपीएनडब्ल्यू) और पर्यावरण विज्ञान विभाग, रटगर्स यूनिवर्सिटी, यूएसए के एलन रोबॉक द्वारा किये गये एक अध ययन, क्षेत्रीय परमाणु युद्ध के जलवायु परिणाम ने बताया है कि पृथ्वी पर मौजूद वर्तमान परमाणु हथियार जलवायु के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं और इस प्रकार सभी जीवन रूपों के लिए खतरा पैदा करते हैं। 100 हिरोशिमा आकार के परमाणु हथियारों का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु आदान–प्रदान दो अरब लोगों को खतरे में डाल देगाय प्रमुख परमाणु शक्तियों के बीच कोई भी परमाणु आदान–प्रदान हजारों वर्षों के मानव श्रम के माध्यम से निर्मित आधुनिक सभ्यता का अंत हो सकता है। विस्फोटों और परिणामी आग के कारण वातावरण में घुली कालिख और मलबा सूरज की रोशनी को पृथ्वी तक पहुंचने से रोक देगा, जिससे औसत सतह –1.25 डिग्री सेंटीग्रेड तक ठंडी हो जायेगी जो कई वर्षों तक बनी रहेगी। यहां तक कि 10 साल बाद भी, सतह का औसत तापमान –0.5 डिग्री सेंटीग्रेट के स्तर पर लगातार ठंडा रहेगा। इससे वैश्विक स्तर पर वर्षा में 10 फीसदी की कमी आयेगी और फसल बर्बाद हो जाएगी, जिससे भुखमरी और मौतें होंगी। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि कॉप 28 को परमाणु हथियारों के पूर्ण उन्मूलन का आह्वान करना चाहिए और परमाणु हथियार रखने वाले देशों को परमाणु हथियारों के निषेध पर संधि (टीपीएनडब्ल्यू) में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बातचीत को बढ़ावा देना चाहिए। जब ऊर्जा के गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों पर स्विच करने की बात होती है, तो कॉप 28 के भीतर एक लॉबी है जो परमाणु ऊर्जा के महत्व पर बोलती है। यह एक झूठी और खतरनाक कहानी है। परमाणु ऊर्जा जलवायु परिवर्तन का कोई समाधान नहीं है। इसके गंभीर स्वास्थ्य परिणाम होते हैं और परमाणु प्रसार का खतरा बढ़ जाता है। परमाणु ऊर्जा महंगी और अविश्वसनीय है, समग्र बिजली उत्पादन के सापेक्ष महत्व खो रही है, तथा लागत–प्रभावशीलता और उत्पादन के मामले में नवीकरणीय ऊर्जा से पीछे है और है इसलिए आउट डेटेड है। इसलिए यह आवश्यक है कि दुनिया नये परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण बंद कर दे, परमाणु ऊर्जा उत्पादन को तेजी से चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दे, और एक उचित नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ जाये। हमें 1.5 डिग्री की सीमा के भीतर रहने के लिए 2030 तक उत्सर्जन में आधी कटौती करने की आवश्यकता है और इस तरह धरती की सुरक्षा और मानव स्वास्थ्य सुनिश्चित करना होगा। माउंट एवरेस्ट क्षेत्र के ग्लेशियरों पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव का वीडियो संदेश हमें अग्रिम पंक्ति के लोगों की सुरक्षा के लिए और वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित करने के लिए, जलवायु अराजकता की सबसे खराब स्थिति को रोकने के लिए अभी कार्य करना चाहिए दुनिया भर के अरबों लोगों की आवाज को व्यक्त करता है। जो जाने–अनजाने में जलवायु संकट के परिणामस्वरूप प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, शयह एक ऐसी बीमारी है जिसे केवल आप, वैश्विक नेता ही ठीक कर सकते हैं। उन्होंने नेताओं से जीवाश्म ईंधन पर दुनिया की निर्भरता को खत्म करने और जलवायु न्याय के लिए लंबे समय से लंबित वादे को पूरा करने का आह्वान किया।

कॉप 28 के उद्घाटन दिवस पर प्रतिनिधियों ने दुनिया के सबसे कमजोर देशों को जलवायु आपदा के विनाशकारी प्रभावों से होने वाले नुकसान की क्षतिपूर्ति करने के लिए एक कोष के संचालन हेतु एक समझौते पर सहमति व्यक्त की, जो एक हद तक स्वागत योग्य कदम है। हालांकि यह अंतिम समाधान नहीं है। इसकी त्रुटियों का विकसित देश तो लाभ उठा लेंगे, लेकिन विकासशील दुनिया अपने ही नागरिकों के लिए विकास की दौड़ में पीछे रह जायेंगे ।वैश्विक हथियारों की होड़ से स्वास्थ्य और जलवायु को खतरा है। निरस्त्रीकरण और विसैन्यीकरण से जलवायु शमन के वित्तपोषण में मदद मिल सकती है। सहयोग और मानव सुरक्षा राजनीति और निर्णय लेने के केंद्र में होनी चाहिए। कॉप 28 को कम से कम कॉप 29 के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करने के लिए एक आयोग का गठन करना चाहिए।

# वही जुबान जो सबसे आसानी से समझता है पाकिस्तान, PM मोदी का उर्दू में किया ट्वीट इस्लामाबाद में क्यों होने लगा वायरल?

पाकिस्तान में इस वक्त सुप्रीम कोर्ट के अनुच्छेद 370 पर आए फैसले की चर्चा जोरो–शोरो से हो रही है। राज्यसभा में अमित शाह का पीओके पर किए गए ऐलान से भी इस्लामाबाद में हलचल मची है। वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उर्दू में किया ट्वीट भी इस वक्त वहां सुर्खियां बटोर रहा है। अब तक इस ट्वीट को 2.8 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। शायद पाकिस्तान में इसे ही सबसे ज्यादा देखा गया। 370 पर नए फैसले का मतलब समझाने के लिए पीएम मोदी ने वही भाषा चुनी जो पाकिस्तानियों को सबसे आसानी से समझ आती है।

पाकिस्तानियों के बीच पीओके को लेकर चिंता बढ़ गई है। ये चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि भारत ने ये ऐलान कर दिया है कि पीओके उसी का है और देर–सवेर हिंदुस्तान के पास जरूर आएगा। अमित शाह ने राज्यसभा में भी साफ कर दिया की पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भारत का है और हमसे कोई नहीं छीन सकता है। संसद में खड़े होकर अमित शाह ने ललकारा और ये ऐलान सुनकर पाकिस्तान हलकान हो उठा। अनुच्छेद 370 पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला और अमित शाह के ऐलान ने पाकिस्तान के पैरों तले जमीन खिसका दी है।

पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने शीर्ष अदालत के फैसले की आलोचना करते हुए इसे पक्षपातपूर्ण निर्णय बताया। पाकिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अंतर्राष्ट्रीय कानून भारत के 5 अगस्त 2019 के एकतरफा और अवैध कार्यों को मान्यता नहीं देता है। भारतीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्यायिक समर्थन का कोई कानूनी मूल्य नहीं है।

# फैसले पर सुप्रीम मोहर

आखिरकार देश की शीर्ष अदालत ने जम्मू–कश्मीर के विशेष दर्जा समाप्त करने के फैसले को बरकरार रखा है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की खंडपीठ ने जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने की तार्किकता को न्यायसंगत ठहराया। साथ ही कोर्ट ने फिलहाल केंद्रशासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा शीघ्र बहाल करने और सितंबर, 2024 तक चुनाव कराने के निर्देश भी दिये। कोर्ट ने अनुच्छेद 370 को आपात स्थिति का अस्थायी प्रावधान बताते हुए इसे निरस्त करने के राष्ट्रपति के अधिकार और लद्दाख को अलग केंद्रशासित प्रदेश बनाने के निर्णय को वैधता प्रदान की। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि भारत में विलय के बाद जम्मू–कश्मीर के पास आंतरिक संप्रभुता का अधि ाकार नहीं था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त करके राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांटने के फैसले की संवैध ाानिकता को शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने माना कि राष्ट्रपति को अनुच्छेद 370 की समाप्ति का अधिकार है। अदालत ने साफ किया कि संविधान के अनुसार जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। दरअसल, व्यापक बहस के बाद कोर्ट ने पांच सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। उल्लेखनीय है कि फैसले के खिलाफ समाज के विभिन्न वर्गों द्वारा करीब दो दर्जन याचिकाएं कोर्ट में दाखिल की गई थीं। दरअसल, जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 राज्य में भारत के संवैधानिक प्रावध ाानों को सीमित करता था और संसद को सीमित मामलों में ही राज्य के लिये कानून बनाने का अधिकार था। जिसके चलते भाजपा समेत कई दल इस अनुच्छेद को भारत की एकता के लिये बाधा मानते रहे हैं। कालांतर में पांच अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति ने एक आदेश जारी किया था। जिसके बाद संविधान में संशोधन हुआ था। उस दौरान राजनीतिक अस्थिरता के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन था। बाद में राष्ट्रपति ने एक दूसरे आदेश में भारतीय संविध ाान के सभी प्रावधान जम्मू–कश्मीर में लागू करने के निर्देश दिये थे। विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद संसद ने राज्य को दो केंद्रशासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर व लद्दाख में बांटने वाला कानून पारित किया। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के फैसले को राजनीतिक दल व संगठन राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाला बता रहे हैं। यह भी कि जम्मू–कश्मीर का शासन अब संविधान के प्रावधानों के साथ चलेगा। इससे जम्मू–कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत होगी। उल्लेखनीय है कि कोर्ट के फैसले से साफ संदेश आया कि भारत का संविधान जम्मू–कश्मीर के संविधान से ऊंचा है। जम्मू–कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। यह भी कि राजा हरि सिंह द्वारा जम्मू–कश्मीर के भारत में विलय समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद इस राज्य की संप्रभुता खत्म हो गई थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल ने बताया है कि जम्मू–कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिया जाएगा, लेकिन लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश बना रहेगा। इसी आलोक में कोर्ट ने निर्देश दिए कि नये परिसीमन के आधार पर राज्य में 30 सितंबर, 2024 तक जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनाव करवाए जाएं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि संविधान पीठ के पांच जजों ने एकमत से यह फैसला सुनाया। उल्लेखनीय है कि फैसला सुनाने वाली संविधान पीठ में मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के अलावा न्यायमूर्ति संजय कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत शामिल थे। निस्संदेह, माना जाना चाहिए कि अब कोर्ट के फैसले के बाद जम्मू–कश्मीर में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद चार साल के दौरान राज्य का सकल घरेलू उत्पादन यानी जीएसडीपी दुगना हुआ है। राज्य में पर्यटन उद्योग में अभूतपूर्व तेजी देखी गई है, वहीं बड़े आर्थिक बदलाव देखे गये हैं। राज्य में आतंकवाद घटनाओं के बावजूद कानून–व्यवस्था नियंत्रण में बतायी गई है और नये आतंकी समूहों का बनना कम हुआ है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अनुच्छेद 370 की समाप्ति को कानूनी वैधता के बाद जम्मू–कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने की प्रक्रिया मजबूत होगी।

# अंजुमन के कार्यालय द्वारा डाक न प्राप्त करने की अध्यक्ष से शिकायत

## डाक विभाग द्वारा वापस बंद लिफाफा अंजुमन के अध्यक्ष को सौंपा गया

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के अध्यक्ष मोहम्मद आफाक के नेतृत्व में अन्य सामाजिक संगठनो के एक प्रतिनिधीमण्डल ने अंजुमन इस्लाहुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष चौधरी शर्फुददीन से उनके कार्यालय पर मुलाकात की और शिकायत की कि उनके कार्यालय के पते पर अध्यक्ष को सम्बोधित एक शिकायती पत्र भेजा गया था परन्तु उपरोक्त पत्र को आपके कार्यालय द्वारा यह कहते हुए लेने से मना कर दिया गया कि अध्यक्ष इस पते पर नहीं बैठते प्रतिनिधीमण्डल में मौजूद लोगों ने कहा कि आप अंजुमन के एक महत्वपूर्ण पद पर हैं जिस पद की एक विशेष गरिमा है अध्यक्ष को भेजी जाने वाली हर डाक अंजुमन कार्यालय को प्राप्त करनी चाहिए मगर इस उददेश्य से कि अंजुमन कार्यालय में चल रही गड़बड़ियों की सूचना आपको प्राप्त न हो षडयंत्र करते हुए उपरोक्त पत्र को लेने से मना कर दिया गया इसलिए आपको पत्र की प्रति और डाक विभाग द्वारा वापस आपके पत्र के बंद लिफाफे सहित शिकायती पत्र आपको सौंपते हुए आपसे अनुरोध है कि पत्र में उठायी गई मांग पर विचार करें और अंजुमन के वर्तमान इंचार्ज को अंजुमन के कार्यालय में बैठने से रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि सेक्रेटरी की गैर मौजूदगी कमरे पर ताला लगाया जाय और उस षडयंत्र का भी पता लगायें जिसके चलते आपकी उपरोक्त डाक को कार्यालय द्वारा नहीं प्राप्त किया गया और इस मामले में दोषी लोगों के विरूद्ध भी आवश्यक कार्यवाही करें ताकि भविष्य में अंजुमन के कार्यालय में किसी भी पदाधिकारी को भेजी गई डाक कार्यालय द्वारा प्राप्त कर उस पदाधिकारी को प्राप्त कराई जाये। प्रतिनिधीमण्डल में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के कनवीनर मोहम्मद आफाक, शराब बन्दी संघर्ष समिति के अध्यक्ष मुर्तजा अली, तहफ्फुजे मसाजिद मदारिस दरगाह व कब्रिस्तान बचाओ समिति के अध्यक्ष हाजी फहीम सिददीकी, डॉ गुलाम मोईनुद्दीन, मोहम्मद हुसैन, मो. अहमद सचिव, उत्तर प्रदेश मुस्लिम लीग, सैयद अली मुशीर जैदी, डॉ आफताब, इसार फाउण्डेशन के अध्यक्ष मौलाना इरशाद अहमद सिद्दीकी, फरीदा बहन , रोशन जहाँ बेन, शहजादे मंसूर अहमद, तुफैल अख्तर, परवेज अलम, मो मक्की एडवोकेट हाइ कोर्ट, सहित विद्वान, वकील और सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद थे

# लखनऊ के टेक्नोक्रेट्स को राष्ट्रपति ने दिए 5डी मंत्र,

## कॉन्वोकेशन में द्रौपदी मुर्मू बोलीं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस का भी ध्यान दें

लखनऊ। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी यानी आईआईआईटी लखनऊ का आज दूसरा दीक्षांत समारोह है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बतौर चीफ गेस्ट शामिल हुईं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 डी बताए। कहा आज भारत के पास 5डी है– डिमांड, डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी, डिजायर, ड्रीम। यह 5डी हमारे विकास की यात्रा में अत्यंत लाभकारी होंगी। हमारी अर्थव्यवस्था जो एक दशक पहले 11वें पायदान पर थी, आज 5वीं बड़ी इकोनॉमी है। साल–2030 तक तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनने की राह पर है। राष्ट्रपति ने कहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ इमोशनल इंटेलिजेंस का भी ध्यान दें। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी इससे लाभ मिले। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इसके अनुप्रयोगों पर केंद्रित पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को नए तकनीकी परिदृश्य में नेविगेट करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है। मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि आईआईआईटी लखनऊ समाज और उद्योग जगत के सामने आने वाली चुनौतियों के निदान, समय के साथ उपजी मांगों के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। एआई मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। हेल्थकेयर, एजुकेशन और स्मार्ट सिटी में एआई और मशीन लर्निंग के फायदे हो रहे हैं। आज भारत 4जी इंडस्ट्रियल रेवोल्युशन का न केवल महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि एआई के साथ अन्य टूल्स पर भी काम कर रहा है। भारत सरकार भी एआई के प्रति मिशन सेंट्रिक तरीके से काम कर रही है। यूपी सरकार भी यहां के प्रमुख शहरों को एआई हब के रूप में डेवलप कर रही है। मुझे बताया गया है कि आईआईआईटी लखनऊ को संसद के अधिनियम द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल इंपोर्टेंस का दर्जा दिया गया है। ये दर्जा आपकी योग्यता, सामर्थ्य, और दक्षता का परिचायक है। इस स्टेटस के साथ देश और समाज आपसे आशा करता है कि आप शिक्षा के क्षेत्र में न केवल सर्वोच्च मानकों पर खरे उतरेंगे बल्कि उत्कृष्टता और सर्वश्रेष्ठता के ऐसे आयाम स्थापित करेंगे जो स्वयं में मापदंड होंगे। राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी का एक कथन बताया और उसे हमेशा याद रखने की सलाह दी। वह कथन है–यानी चरित्र के बिना ज्ञान पाप है। राष्ट्रपति ने स्टूडेंट्स को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। राष्ट्रपति ने लोक पढ़ा...विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्। पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्म ततः सुखम्। इसका अर्थ भी बताया..विद्या यानि ज्ञान हमें विनम्रता प्रदान करती है। विनम्रता से योग्यता आती है। योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं और हमें सुख मिलता है। इससे पहले गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में 7 मेधावियों को राष्ट्रपति ने गोल्ड मेडल दिए। इसके अलावा, 317 मेधावियों को उपाधि दी गई। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और CM योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। आईआईआईटी लखनऊ के

डायरेक्टर प्रो. अरुण मोहन शैरी ने कहा आज के समय 1100 से ज्यादा स्टूडेंट्स यहां पढ़ रहे हैं। बीटेक, एमटेक के अलावा एमबीए और पीएचडी जैसे कोर्स चलाए जा रहे हैं। डायरेक्टर प्रो. शैरी ने कहा– डेटा साइंस, आईएजे, आईओटी और डिजिटल बिजनेस में काम कर रहे हैं। ये संस्थान देश मे पहला फुल टाइम डिजिटल बिजनेस कोर्स शुरू करने वाला पहला संस्थान है। इंडस्ट्री 4.0 पर काम करते हुए संस्थान ने कई कोर्स भी शुरू किए हैं। संस्थान को 100: प्लेसमेंट पिछले 4 सालों के बीटेक में मिला है। इनमें एवरेज पैकेज में भी बढ़ोतरी हुई है। कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा–संस्थान में चल रहे कोर्स टेक्नोलॉजी और मैनेजमेंट का मिश्रण हैं। इनके सफल प्लेसमेंट भी इसे दिखाते हैं। संस्थान का इन्क्यूबेशन सेंटर बेहद अहम है। संस्थान के निरंतर सीखने के कार्यक्रम बेहद अच्छे हैं। आप लोग कई एक्टिविटी में पार्टिसिपेट करते हैं, ये बहुत जरूरी है। हमारा नजरिया बड़ा होना चाहिए। पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। भारत के विकास से सभी का विकास होगा। हमारा मंत्र सर्वे भवुन्त सुखिनः पर आधारित है। यूपी के राज्यपाल होने के नाते मुझे आईआईआईटी लखनऊ से बेहद उम्मीदे हैं। आप इस प्रदेश के खुशहाली में भी योगदान देंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा यूपी के उच्च शिक्षा में बड़ा बदलाव आया है। नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में मैं आपको काम करने के लिए आमंत्रित करता हूं। PM मोदी ने 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य दिया है तो यूपी भी 1 ट्रिलियन डॉलर की दिशा में बढ़ रहा है। यहां से निकल रहे मेधावी ये सोचें कि मैं जीवन में सत्य का आचरण रखूंगा, और धर्म के पथ पर चलूंगा। जीवन संग्राम में धर्म पर चलूंगा। योगी ने कहा– उत्तर भारत का पहला डेटा सेंट्र ग्रेटर नोएडा में शुरू हो चुका है। टेक्नोलॉजी और डिजिटलाइजेशन के जरिए बड़ा बदलाव लाया गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटल हॉस्पिटल के जरिए सभी को बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा मुहैया कराई जा रही है। इस क्षेत्र में आईआईआईटी लखनऊ के छात्र भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि अपने कौशल से आप इस संस्थान का गौरव बढ़ाएंगे।

## गैंगस्टर की कार्रवाई से हुए अक्रोशित वकीलों का प्रदर्शन, पुलिस–प्रशासन का फूंका पुतला

लखनऊ। लखनऊ पुलिस की ओर से वकीलों पर गैंगस्टर की कार्रवाई करने से नाराज होकर मंगलवार को वकीलों ने पुलिस–प्रशासन का पुतला फूंका। पुलिस–प्रशासन मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान पुलिस बल भी तैनात रहा। मंगलवार को लखनऊ बार एसोसिएशन ने कार्य बहिष्कार किया। इसके बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर पहुंचे और पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ का पुतला फूंका। इस दौरान वकीलों ने कहा कि अगर हमारी मांगे पूरी नहीं हुई तो आगे भी विरोध प्रदर्शन करेंगे। लखनऊ बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक अध्यक्ष सुरेश पांडे की अध्यक्षता में एवं कुलदीप नारायण मिश्र महामंत्री के संचालन में हुई। इसमें कहा गया कि समाचार पत्रों से पता चला कि पुलिस कमिश्नर द्वारा वकीलों के विरुद्ध गैंगस्टर अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। इससे अधिवक्ता समुदाय में रोष है। बैठक में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किए जाने के संबंध में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इसको लेकर भी वकीलों में नाराजगी है। इस पर ही विरोध का निर्णय लिया गया है। इस मामले में पुलिस अफसरों का कहना है कि वकील या वकीलों के वेश में जिन्होंने जमीनों पर कब्जा किया है, वह दोषी मिलेंगे तो उनके खिलाफ गैंग चार्ट बनाकर गैंगस्टर एक्ट करने की कार्रवाई करने की बात कही गई है। हाईकोर्ट ने भी ऐसे करने वालों पर सख्ती करने का आदेश दिया है। इस मामले में दो जनवरी को सुनवाई भी होनी है।

# विज्ञान फाउंडेशन ने आयोजित किया सरकारी विभागों के साथ इंटरफेस मीटिंग

लखनऊ। विज्ञान फाउंडेशन संस्था 35 सालो से वंचित समुदाय, महिलाओ बच्चो व मजदूरों ले अधिकारों की पैरवी के लिए नेटवर्क और गटबंधन मे विश्वास करते है और उन्हें बढ़ावा देते है। लखनऊ मे 12 गरीब बस्तियों की 750 किशोरियो एवंउनके परिवारों के साथ प्रत्यक्ष रूप से क्षमतावर्धन का काम कर रही है आज विज्ञान फाउंडेशन व अजीम प्रेमजी फिलैंथरोपिक इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में कार्यरत गिविंग विंग्स टू ड्रीमर्स परियोजना के तहतइंटरफेस मीटिंग का आयोजन आयोजन किया गया। कार्यक्रम इंदिरा नगर स्थित बेबियन इन होटल में आयोजित किया गया जिसमे क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विभागों ने प्रतिभाग किया जिसमे सीएससी टेली लॉ के राज्य समन्वयक वागीश सिंह ने टेली लॉ के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि अपने नजदीकी सी एस सी सेंटरों पर जाकर अपनी समस्या को दर्ज कर सकते है, सी एस सी पर उपलब्ध सभी सेवाओं के बारे में बताया,आम जनता के लिए उपलब्ध इसकी सेवाओं और उन सेवाओं का लाभ उठाने के बारे में बात की। मुख्य अतिथि में टेली लॉ के पैनल वकील निशांत शर्मा ने विभिन्न कानूनों के तहत महिलाओं के लिए उपलब्ध कानूनी अधिकारों और उपायों के बारे में बात की, जैसे कि बाल विवाह निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम, महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व अधिनियम, यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम आदि।पैनल वकील रोहित शंकर ने टेली लॉ ऐप के बारे में बात की और साइबर कानून और इन दिनों समाज में होने वाली विभिन्न साइबर धोखाधड़ी के बारे में बात की और उन्हें कैसे पहचानें और उनसे कैसे निपटें।इसके बाद सिविल डिफेन्स से ऋषि जी एवम ज्योति खरे जी ने जीवन बचाने के कौशल के बारे में बात की, रेमंड अलीगंज लखनऊ से उमेश जी और सुनील जी रहे, जन शिक्षण संस्थान से आये सौरभ खरे जी ने कौशल से जुड़े व्यवसायिक कोर्स के बारे में लोगो से बात की,कार्यक्रम में चयनित क्षेत्र पारा,जानकीपुरम एवं माडियाव क्षेत्र के किशोरियों एवं उनकी माताओं नेप्रतिभाग किया। इस मीटिंग का उद्देश्य सरकारी विभागों से एवं उनसे जुड़ी योजनाओ के बारे में उनको अवगत कराना था।संस्था से विपिन एवं धर्मेन्द्र एवम शहला जी भी शामिल रहे।

# पत्नी से करवाया प्रेमी को फोन, सरकारी स्कूल में मर्डर

बांदा। जिले में पत्नी के प्रेमी की पति ने हत्या कर दी। पत्नी के नाजायज संबंधों का पता चलने पर युवक ने हत्याकांड की योजना बनाई। उसने पत्नी पर ही दबाव बनाकर उससे प्रेमी को मिलने के लिए बुलवाया और सरकारी स्कूल में दोनों ने मिलकर गला दबाकर मार डाला। युवक के गायब होने पर उसके घर वालों ने पुलिस को सूचना दी। गांव के सरकारी जूनियर हाईस्कूल के पीछे युवक का शव पड़ा मिला तो लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शिनाख्त करवाकर जांच शुरू की तो एक के बाद एक कड़ी जुड़ती गई और पुलिस ने घटना का खुलासा किया। फिलहाल आरोपी पति–पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूरा मामला बबेरू कोतवाली क्षेत्र के कस्बे का है। यहां पर देवेश नामदेव (40) पत्नी गीता नामदेव (38) और 4 बच्चों के साथ रह रहा था। दोनों की शादी को करीब 10 साल हो गए थे। वह खेती किसानी करके परिवार का पालन–पोषण कर रहा था। इसी बीच उसकी पत्नी गीता के पड़ोसी अरुणेश (29) से अवैध संबध हो गए। अरुणेश भी गांव में खेती करता था और कभी–कभार प्राइवेट नौकरी के लिए बाहर चला जाता था। करीब डेढ़ साल से दोनों के बीच प्रेम–प्रसंग चल रहा था। दोनों के संबंधों की जानकारी देवेश को हुई तो उसने पत्नी को ही मोहरा बनाकर अरुणेश की हत्या की प्लानिंग की। उसने पत्नी पर प्रेमी को मिलने बुलाने का दबाव बनाया। अरुणेश प्रेमिका से मिलने गांव के ही सरकारी जूनियर स्कूल पहुंचा। वहां पहले से पत्नी के साथ मौजूद देवेश ने गला दबाकर हत्या कर दी और शव को स्कूल के पीछे ही फेंक दिया। पत्नी ने भी हत्या में पति का साथ दिया। वहीं सुबह तक जब अरुणेश घर नहीं पहुंची तो घर वालों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करके जांच शुरू की तो शव स्कूल के पीछे से बरामद हुआ। पुलिस ने युवक के फोन की कॉल डिटेल्स निकलवाई और लोगों से पूछताछ की शक देवेश की पत्नी पर हुआ। पुलिस ने जब महिला से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने सच्चाई बता दी। जिसके बाद दोनों पर मुकदमा दर्ज करके जेल भेज दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक लक्ष्मी निवास मिश्र ने बताया कि 10 दिसंबर की रात 9रू30 बजे के आसपास से अरुणेश नाम का एक युवक गायब था, जिसकी सूचना थाने पर दी गई थी तत्काल गुमशुदगी दर्ज करके पुलिस क्षेत्राधिकार बबेरू और सर्विलास टीम की मदद से जांच पड़ताल की गई। प्रथम दृष्टया या यह जानकारी मिली कि मृतक के गांव के ही देवेश नामदेव की पत्नी से अवैध संबंध थे। जांच के बाद दोनों को जेल भेजा गया है और शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है।

# प्रदेश की चयनित ग्राम पंचायतों को वाद्ययंत्र खरीदने के लिए संस्कृति विभाग देगा अनुदान : जयवीर

## मण्डलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी

लखनऊ। प्रदेश की ग्राम पंचायतों को एक–एक सेट वादयंत्र जिसमें हारमोनियम, ढोलक, झांझ, मंजिरा, करताल अथवा घुंघरू आदि खरीदने के लिए संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा अनुदान दिया जायेगा। जनहित में लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए वादयंत्रों के क्रय हेतु शत–प्रतिशत धनराशि का भुगतान संस्कृति विभाग द्वारा किया जायेगा। चयनित ग्राम पंचायतों को वादयंत्रों का सेट लखनऊ में आयोजित एक समारोह में ग्राम प्रधान अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि को प्रदान किया जायेगा। वादयंत्रों के सेट पर संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का नाम लिखा जायेगा। वादयंत्रों के वितरण का उद्देश्य युवा पीढ़ी को कला, संस्कृति को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों को बढ़ावा देना है। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि चयनित ग्राम पंचायतों को वादयंत्र उपलब्ध कराने के सम्बंध में निदेशक संस्कृति शिशिर की ओर से मण्डलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों को विस्तार से दिशा–निर्देश जारी कराये गये हैं। उन्होंने बताया कि पहले चरण में मण्डलीय जनपदों से दस–दस चयनित ग्राम पंचायतों तथा शेष जनपदों से पांच–पांच ग्राम पंचायतें, जो सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करती रहती हैं तथा सांस्कृतिक गतिविधियां निरन्तर चलती रहती हैं, उनका चयन सम्बंधित जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। जयवीर सिंह ने बताया कि वादयंत्र प्रदान करने के लिए चयनित ग्राम पंचायतों के आवेदन पत्र सम्बंधित जिलाधिकारी द्वारा निदेशक संस्कृति निदेशालय उत्तर प्रदेश जवाहर भवन लखनऊ को निर्धारित प्रारूप पर आदेश जारी होने की तिथि से दस दिन के अन्दर उपलब्ध कराना होगा। उन्होंने बताया कि भजन–कीर्तन मण्डली, लोकगीत, लोकनृत्य, भजन, संस्कार गीत, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रमों के निरन्तर संचालित करने वाली ग्राम पंचायतों को वादयंत्र अनुदान दिये जाने में प्राथमिकता दी जायेगी। ग्रामीण पर्यटन हेतु चयनित 229 ग्रामों में से पहले चरण में दस चयनित ग्राम पंचायतों का चयन पर्यटन विभाग द्वारा किया जायेगा। वादयंत्रों का रख–रखाव एवं मरम्मत आदि का दायित्व सम्बंधित ग्राम पंचायत का होगा। ग्रामसभा के सदस्यों अथवा कलाकारों द्वारा मांगे जाने पर वादयंत्र सांस्कृतिक आयोजनों हेतु उपलब्ध कराया जायेगा जिसके अंकन के लिए एक रजिस्टर रखा जायेगा। वादयंत्रों का उपयोग सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, पर्यटन संवर्द्धन, स्वच्छ भारत मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, महिला सशक्तिकरण, बेटी पढ़ाओ–बेटी बचाओ तथा सरकार द्वारा संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के प्रचार–प्रसार आदि हेतु किया जायेगा।

# सपा कार्यालय पर हुआ कार्यकारिणी मनोनयन पत्र का वितरण,

## शाह आलम बोले, भाजपा ने शिक्षकों के पदों को समाप्त व सेवाओं को छीनने का किया काम

बहराइच। जिले में सपा शिक्षक सभा की 31 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी का मनोनयन पत्र पार्टी कार्यालय पर वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रामहर्ष यादव ने की। कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रदेश उपाध्यक्ष समाजवादी शिक्षक सभा शाह आलम खान राणा व विशिष्ट अतिथि विधायक कैसरगंज आनंद कुमार यादव रहें। कार्यक्रम का संचालन अयोध्या प्रसाद यादव ने किया। मुख्य अतिथि आलम खान राणा ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव स्वंय एक शिक्षक थे। उन्होंने हमेशा शिक्षकों के हित में कार्य किया। शिक्षक चाहे एडेड विद्यालय का हो या वित्तविहीन शिक्षक साथी हो, चाहे शिक्षा मित्र हो या अनुदेशक हो। सारे शिक्षकों के पदों को समाप्त करने उनके अधिकारों को सीमित करने व उनके सेवाओं को छीनने का कार्य भाजपा ने किया है। जो शिक्षक व कर्मचारियों के अलावा हमारा पिछड़ा, दलित, मजदूर, नवजवान, विद्यार्थी, किसान वर्ग सब इस भाजपा सरकार से बहुत परेशान है। वर्तमान भाजपा सरकार हमारे युवाओं को नौकरी देने व उनका भविष्य सुरक्षित करने मे पूर्ण रूप से विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में जब उप्र में सपा सरकार थी, तो हाईस्कूल उत्तीर्ण करने पर साइकिल और इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर लैपटॉप देने का कार्य किया गया। इतिहास गवाह है कि प्रदेश में जब जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनी है। शिक्षकों को पूरा सम्मान और उनको उनके अधिकार दिए गए हैं। अगर पुरानी पेंशन बहाल करना है, वित्त विहीन शिक्षकों को बंद मानदेय चालू कराना है तदर्थ शिक्षकों को विनियमित करते हुए रोके गये वेतन को पाना है। शिक्षा मित्रों को पुनः पूर्ण शिक्षक की श्रेणी में लाना है तो। वर्तमान तानाशाह सरकार, जो शिक्षकों और कर्मचारियों का शोषण कर रही है। उसे आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में केंद्र से उखाड़ फेंकना होगा। 2027 में उप्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार लाना होगा।

# शॉर्ट सर्किट की वजह से दवा के गोदाम में लगी आग

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में एक दवा के गोदाम में मंगलवार सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर एक बड़ी दुर्घटना होने से पहले कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। जब तब आग पर काबू पाया जाता, तब तक गोदाम में रखे गत्ते के खाली बॉक्स और अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा हैं। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार सुबह 6.46 बजे कंट्रोल रूम हजरतगंज से सूचना मिली कि ट्रांसपोर्ट नगर की पार्किंग नंबर 6 पर एक गोदाम में आग लगी हैं। इस सूचना पर सरोजनीनगर फायर स्टेशन प्रभारी सुमित जादौन दो दमकल की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंच कर देखा कि वर्धमान टॉवर के द्वितीय तल पर एमकॉन डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के दवा गोदाम में आग लगी थी। फायर स्टेशन प्रभारी ने अपनी टीम के साथ करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया। आग लगने से गोडाउन में काफी धुंआ भर गया था। जिसे स्मोक मनेज से बाहर निकाल दिया गया। एक बड़ी दुर्घटना होने से पहले फायर सर्विस टीम ने समय पर काबू कर लिया। फायर स्टेशन प्रभारी ने बताया कि टावर प्रदीप चंद्र जैन का है। जिसका सेकेंड फ्लोर रानी लक्ष्मी बाई मार्ग, हजरतगंज निवासी बुसरा हसन ने किराए पर ले रखा हैं। जांच की जा रही हैं। बताया जा रहा है कि जिस टावर में आग लगी थी। वहां पर आग से बचने के लिए कोई उचित इंतजाम नही थे। पूरी बिल्डिंग में रोजाना कई लोग मौजूद रहते हैं। सुबह होने के कारण आसपास के भी गोदाम समय से खुले नहीं थे। अगर जरा सी देर होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। जिससे की बड़ा हादसा नहीं हुआ।

# अज्ञात वाहन ने 4 लोगों को मारी टक्कर, युवक की मौत, तीन लोग घायल

लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में मोहनलालगंज–जुनाबगंज रोड पर एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे चार लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो अन्य घायलों का अलग–अलग अस्पताल में इलाज चल रहा हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक राजेश सिंह पत्नी पूजा सिंह और बेटे श्लोक के साथ पहाड़पुर गांव में रहते हैं। वह बीती सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे अपने चचेरे भाई अरुण, प्रदीप और सचिन श्रीवास्तव के साथ मोहनलालगंज–जुनाबगंज रोड पर स्थित अतुल सिंह चौहान ढाबा के पास से चारों लोग पैदल घर वापस लौट रहे थे। इस दौरान एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने 4 लोगों को टक्कर मारते हुए मौके से भाग निकला। ढाबा में मौजूद लोगों ने स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां पर डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर कृष्णानगर पुलिस ने राजेश के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया हैं। वहीं अरुण का प्राथमिक इलाज करने के बाद छुट्टी दे दी गई। जानकारी के मुताबिक, प्रदीप का इलाज एसकेडी अस्पताल तो वहीं सुमित का इलाज केजीएमयू के ट्रामा सेंटर में चल रहा हैं। राजेश के परिजनों ने मंगलवार दोपहर शव का अंतिम संस्कार कर दिया हैं। फिलहाल बंथरा पुलिस ने सड़क हादसे की जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं।

# महिला एसएचओ द्वारा पत्रकार को जान से मारने की कड़ी निंदा

लरवनऊ। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के फतेहपुर जिला अध्यक्ष रवि कश्यप द्वारा खनन माफिया के साथ एक महिला प्रभारी निरीक्षक की सौहार्द पूर्ण वातावरण में हो रही वार्ता का बिना नाम व तैनाती स्थल का उल्लेख लिए समाचार प्रकाशित करने पर जनपद के थाना ओंग की प्रभारी निरीक्षक द्वारा फोन पर अपने पति से रवि कश्यप को फड़वा डालने की धमकी देने की घटना को यूनियन ने गम्भीरता से संज्ञान लिया है। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष डा० राजेश त्रिवेदी व महामंत्री रमेशशंकर पाण्डेय ने कहा कि बिना नाम व क्षेत्र के नाम से प्रकाशित समाचार को स्वयं से किस आधार पर जोड़कर हमारे पत्रकार साथी को जान से मरवाने की धमकी दे रहीं है, यह तो चोर की दाढ़ी में तिनके वाली कहावत चरितार्थ कर रही हैं। उन्होंने धमकी देने वाली एस एच ओ की निन्दा करते हुए प्रशासन से तत्काल कड़ी कार्यवाही की माँग की है। बैठक में उपस्थित सभी यूनियन पदाधिकारियों ने एस एच ओ के कृत्य की भतर्सना करते हुए संघर्ष का आवाहन किया। इस अवसर पर डा० राजेश त्रिवेदी रमेशशंकर पाण्डेय, राकेश कश्यप, भूपेन्द्रमणि त्रिपाठी, शशीकान्त पाण्डेय, देवेश नायक, सरदार रविन्द्रसिंह, चन्द्रदेव अवस्थी, लक्ष्मीकान्त पाठक के अतिरिक्त मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोशियेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश त्रिवेदी भी उपस्थित रहे। उन्हाने भी इस घटना की घोर निन्दा कर संघर्ष पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

# यात्री 16 दिसम्बर से वातानुकूलित बसों में 10 प्रतिशत कम किराया देकर कर सकेंगे यात्रा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि यात्रियों को परिवहन निगम द्वारा संचालित वातानुकूलित बसों में भी शीतकाल के दौरान 10 प्रतिशत कम किराया देकर यात्रा करने की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि शीतकाल प्रारम्भ होने पर वातानुकूलित सेवाओं में यात्रियों की कम आवागमन को देखते हुए वातानुकूलित बसों का किराया कम किया जा रहा है। 16 दिसम्बर से 28 फरवरी तक किराये में स्पेशल विन्टर डिस्काउंट के रूप में छूट प्रदान की गयी है। उन्होंने कहा कि वातानुकूलित सेवाओं को लाभप्रद बनाये जाने के उद्देश्य से सम्यक विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया है। शीतकाल में ईंधन खपत में कमी आती है। साथ ही साथ लोड फैक्टर भी अधिक किराया होने की वजह से कम हो जाता है। परिवहन मंत्री ने कहा कि संज्ञान में आया है कि दिव्यांगजनों को नई संचालित राजधानी सेवा में यात्रा सुविधा अनुमन्य नहीं है। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए राजधानी सेवा की बसों में भी यात्रा सुविधा उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि राजधानी सेवा की बसों का किराया अब सामान्य बसों के समतुल्य कर दिया गया है। इसलिए राजधानी सेवा की बसों में भी साधारण बसों की भांति दिव्यांगजनों को परिवहन सुविधा दी जाय।

# ट्रैक्टर-ट्राली में पीछे से जा घुसी कार, हेड कांस्टेबल समेत तीन की मौत, 2 लोग घायल

बहराइच। जिले में लखनऊ–बहराइच मार्ग पर मदन कोठी गांव के निकट सड़क किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्रॉली में कार पीछे से जा घुसी। हादसे में जिले के रिसिया थाने में तैनात हेड कांस्टेबल, बेटा और चालक की मौत हो गई। जबकि पत्नी और एक बेटा समेत दो लोग घायल हैं। घायलों का इलाज लखनऊ में चल रहा है।

गाजीपुर जिले के सैदपुर थाना क्षेत्र ग्राम शेखपुर निवासी सुरेश कुमार त्यागी की तैनाती रिसिया थाने में हेड कांस्टेबल के पद पर थी। वह परिवार के साथ गांव में थे। सोमवार को ड्यूटी के लिए हेड कांस्टेबल सुरेश त्यागी (50) रिसिया के लिए रवाना हुए। इसके लिए उन्होंने थाना क्षेत्र के भोपतपुर चौकी निवासी याकूब पुत्र मोहिउद्दीन को गाजीपुर बुलाया। कार में चालक के साथ हेड कांस्टेबल सुरेश त्यागी, पत्नी पुष्पा त्यागी (42), बेटा बासू (3) और एक अन्य बेटा सवार थे। कार लखनऊ से होते फखरपुर थाना क्षेत्र के मदन कोठी गांव के निकट पहुंची। बताया जाता है कि रात के एक बजे कार चालक नियंत्रण खो बैठा। कार ट्रैक्टर ट्राली में पीछे से जा घुसी। आसपास के लोगों की सूचना पर थानाध्यक्ष अनुज कुमार त्रिपाठी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां पर डॉक्टर ने दो वर्ष के बेटे को मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य सभी को किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान हेड कांस्टेबल सुरेश त्यागी और कार चालक याकूब की मौत हो गई। वहीं पत्नी और एक बेटे का इलाज चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि खड़े ट्रैक्टर ट्राली में कार पीछे से जा घुसी थी। जिसके चलते हादसा हुआ है। मृतक हेड कॉन्स्टेबल के गांव को सूचना दी गई है। परिवार के लोग जिला मुख्यालय पहुंच रहे हैं। उधर रात में जिला अस्पताल में सीओ आनंद कुमार ने टीम के साथ पहुंच कर हादसे के बारे में जानकारी ली।

# ठंड ने दी दस्तक, कोहरे के बीच रेंगते दिखे वाहन, पछुआ हवा चलने से और बढ़ेगी ठंड

बहराइच। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने तराई में ठंड बढ़ा दी है। बहराइच में मंगलवार की सुबह कोहरा छाया रहा। सड़कों वाहन रेंगते हुए व लाइट जलाकर निकलते दिखे। बदले मौसम के मिजाज से न्यूनतम पारा एक डिग्री सेल्सियस लुढ़क गया है। हिमाचल के पहाड़ों हो रही बर्फबारी के बीच चल रही पछुआ हवाओं से तराई के मैदानी इलाकों में मौसम बदल गया है। सर्द हवाएं चलने के साथ घने कोहरे ने सड़कों पर वाहनों की गति पर भी ब्रेक लगा रहा है। शहर के बहराइच–लखनऊ, बहराइच पयागपुर, नानपारा व भिनगा रोड पर घना कोहरा छाया रहा। सड़कों पर लाइटें जलाकर वाहन गुजरते रहे तो जगह–जगह लोग फुटपाथों पर लोग आग जलाकर खुद को ठंड से बचाने के लिए तापते दिखे। नरेंद्र कृषि व प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. सीताराम मिश्र ने बताया कि न्यूनतम पारा एक डिग्री सेल्सियस लुढ़क कर 8 डिग्री पहुंच गया है। अधिकतम पारा 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। अगले 24 घंटे में तापमान और नीचे गिरेगा। हालांकि बादल बनने रहने की भी संभावना है। पछुआ हवाएं चलने से ठंड और बढ़ेगी। बदले मौसम के मिजाज से सब्जी किसानों की चिंता बढ़ा दी है। तापमान गिरने के साथ ही टमाटर, आलू व अन्य सब्जी वर्गीय फसलों में झुलसा रोग के प्रकोप लगने की संभावना बढ़ गई है। वैज्ञानिक डॉ. केएम सिंह बताते हैं कि मौसम में बदलाव का असर सब्जी वर्गीय फसलों पर पड़ने की संभावना को देखते हुए किसान फसलों की निगरानी करें। कीड़े भी लग सकते हैं। किसान दवाओं का छिड़काव करें, ताकि उत्पादन प्रभावित न हो।

# स्कूली छात्रों के लिए कॅरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिस (जनरल) द्वारा एबीके हाई स्कूल (बॉयज) के छात्रों के लिए एक करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य उनके कौशल, रुचियों और आकाँक्षाओं के दृष्टिगत उनके करियर के बारे में सही निर्णय लेने में उनकी सहायता करना था।

मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता, विधि संकाय के प्रोफेसर हशमत अली खान ने छात्रों से अपनी क्षमता जानने और सही समय पर अपना लक्ष्य निर्धारित करने का आग्रह किया। उन्होंने लॉ कॉलेज में प्रवेश के प्रारंभिक चरणों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी और कानून में डिग्री प्राप्त करने के बाद सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला पर प्रकाश डाला। मानद अतिथि, इतिहास विभाग की डॉ. शिवांगी टंडन ने संचार कौशल और तर्कसंगत सोच के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानविकी में शिक्षा ग्रहण करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर छात्रों के लिए उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों पर विस्तृत चर्चा की। प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी (सामान्य), श्री साद हमीद ने छात्रों को उनकी ताकत, कमजोरियों, रुचियों और मूल्य की पहचान करते हुए स्व–मूल्यांकन के बाद कैरियर विकल्प चुनने की सलाह दी। एबीके स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. समीना खान ने इस पहल की सराहना की और टीपीओ टीम से छात्रों के करियर विकास के लिए और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। सत्र का समापन प्रश्नोत्तरी के साथ हुआ। विधि संकाय के छात्र और टीपीओ स्वयंसेवकों सैयद अहमद नवाज जैदी और आदित्य भट्टाचार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि प्रक्षिका अरोड़ा और जतिन वार्ष्णेय ने सत्र का संचालन किया। अखिल कौशल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरदोई। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत आज विकास खण्ड सुरसा के ग्राम दलेलपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी व अन्य अधिकारियों तथा आम नागरिकों ने माननीय मुख्यमंत्री जी के संबोधन को सुना। माननीय मुख्यमंत्री ने केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिये हमें आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को लेकर चलना चाहिए। जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित ग्राम वासियों से संवाद किया। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक लाभार्थियों की जुबानी सुनी जाए। उन्होंने आगे कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से लोग भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। हर घर जल योजना से लोगों के घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का कार्य किया जा रहा। आयुष्मान कार्ड के रूप में लोगों को बहुत बड़ा संबल मिला है। लोगों की भागीदारी से जनपद हरदोई सबसे अधिक कार्ड बनाने वाला जिला बन गया है। आयुष्मान ऐप से कोई भी कार्ड बना सकता है। कन्या सुमंगला जैसी योजनाओं से नारी सशक्तीकरण में हम आगे बढ़े हैं। लोगों से साफ–सफाई की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि खुले में शौच न जाएं। सामुदायिक शौचालय व व्यक्तिगत शौचालय का प्रयोग करें। जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को विकसित भारत का संकल्प दिलाया। उन्होंने आयुष्मान योजना के पाँच नए लाभार्थियों को कार्ड वितरित किये। सोलर पम्प व किसान सम्मान निधि के कुछ लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गए। दो महिलाओं की गोद भराई व एक शिशु का अन्नप्राशन कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा लोगों को जागरूक कर रही है तथा लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उप निदेशक कृषि डॉ0 नन्द किशोर ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा किसान भाई कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेकर कृषि मे अपनी आमदनी बढाये। इसके बाद विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। सोलर पम्प प्राप्त करने वाले कौशल किशोर ने बताया कि उन्होंने 3 एचपी का सोलर पम्प लगवाया जिससे डीजल के खर्च की बचत हुई। इससे उनकी आमदनी बढ़ी। प्रगतिशील किसान राम खेलावन ने बताया कि जैविक खेती से उन्हें काफी लाभ हुआ है। इससे उनकी आमदनी बढ़ी है। पीएम किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वाले बाबू राम ने बताया कि इससे उन्हें खेती में काफी आर्थिक सहयोग मिला है। आयुष्मान कार्ड धारक शिवकरन ने बताया कि उन्होंने अस्पताल में इलाज कराया जो कि पूरी तरह से मुफ्त रहा। स्वयं सहायता समूह चलाने वाली आशा देवी ने बताया कि उनकी आमदनी बढ़ी है। आवास प्राप्त करने वाली रोशनी ने आवास के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में बेसिक स्कूलों के बच्चों ने सरस्वती वंदना के साथ अपने नृत्य से सभी का मन मोह लिया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत चन्दन है इस देश की माटीश् नृत्य नाटिका की उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रजनीश व जिला पंचायत सदस्य धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, खण्ड विकास अधिकारी सुशील कुमार सिंह ग्राम प्रधान रामनिवास आदि गणमान्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव एनआरएलसी ट्रेनिंग संस्थान जानकीपुरम में २२ दिसम्बर से

लखनऊ। सामाजिक संस्था सोसायटी ऑफ कॅरियर टेक्नोलॉजी (सोक्ट) एवं जन विकास महासभा, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आगामी 22 दिसम्बर से तीन दिवसीय विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव एनआरएलसी ट्रेनिंग संस्थान, सेक्टर–जी, जानकीपुरम के ऑडिटोरियम में शुरू हो रहा है। मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने बताया कि 22 दिसम्बर को उत्सव की शुरूआत प्रातः दस बजे शंखनाद व मंत्रोच्चारण के साथ होगी। इसके उपरान्त विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी आर्ट, ड्राइंग, गायन, नृत्य, वाद्ययंत्र, स्पीच और कबाड़ से जुगाड़ आदि क्षेत्रों में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करेंगे, जो अगले दिन 23 दिसम्बर प्रातः दस बजे से साढ़े चार बजे और 24 दिसम्बर प्रातः दस बजे से दोपहर एक बजे के बीच जारी रहेगी। उत्सव के अन्तिम दिन 24 दिसम्बर को अपराह्न डेढ़ बजे से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं जल संरक्षण, आत्मनिर्भर भारत एवं सामाजिक एवं क्षेत्रीय विकास में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को सम्मानित किया जायेगा। मुख्य आयोजक पंकज तिवारी ने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले इस उत्सव कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण, पर्यावरण एवं जल संरक्षण संकल्प, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा एवं कॅरियर मार्गदर्शन, आत्मनिर्भर भारत के महत्व पर जागरूकता, नशामुक्त समाज का संकल्प दिलाने आदि पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है, ताकि छात्रों को बेहतर जीवन बनाने के साथ अपना कॅरियर बनाने में मार्गदर्शन मिल सके।

# क्लैट परीक्षा में श्रेयस पाण्डेय व अग्रिमा साहू ने टॉप कर

## पूरे प्रदेश में लखनऊ का गौरव बढ़ाया

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस के दो मेधावी छात्रों श्रेयस पाण्डेय एवं अग्रिमा साहू ने कॉमन लॉ एडमीशन टेस्ट (क्लैट) में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर लखनऊ का नाम रोशन किया है। जहाँ एक ओर, श्रेयस ने ऑल इण्डिया 25वीं रैंक व यूपी में प्रथम रैंक अर्जित की है, तो वहीं दूसरी ओर अग्रिमा साहू ने ऑल इण्डिया ओबीसी 12वीं रैंक व यूपी ओबीसी प्रथम रैंक अर्जित कर लखनऊ के गौरव में चार चांद लगा दिये है। विदित हो कि इस वर्ष सी.एम.एस. के सर्वाधिक 37 छात्र क्लैट परीक्षा में चयनित हुए हैं। एक अनौपचारिक वार्ता में इन दोनों ही छात्रों ने एक स्वर से कहा कि दुनिया में कानून का ही शासन होना चाहिए, जिससे कि सारी दुनिया में एकता व शान्ति का ही बोलबाला रहे। ये दोनों छात्र सी.एम.एस. द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन से काफी प्रभावित हैं और एकता व शान्ति स्थापना में इस सम्मेलन की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारते हैं। जहाँ तक श्रेयस की बात है तो श्रेयस पाण्डेय की सम्पूर्ण शिक्षा सी.एम.एस. में ही हुई है। वर्तमान में वह सी.एम.एस. गोमती नगर द्वितीय कैम्पस में 12वीं का छात्र है और इस वर्ष की आई.एस.सी. बोर्ड परीक्षा में बैठेगा। आई.सी.एस.ई. (कक्षा–10) की बोर्ड परीक्षा श्रेयस ने 97.40 प्रतिशत अंक अर्जित किये हैं। क्लैट परीक्षा में अपनी अभूतपूर्व सफलता का श्रेय सी.एम.एस. को देते हुए श्रेयस ने कहा कि 'मेरे स्कूल की सबसे अच्छी बात यह है कि हम किसी भी समय अपने परेशानियों व जिज्ञासा को शान्त करने के लिए अपने शिक्षकों के पास जा सकते हैं और हमें हमारे शिक्षकों का भरपूर सहयोग मिलता है। मैं अपने विद्यालय का आभारी हूँ जहाँ मुझे सभी प्रकार की सुविधा व उच्चस्तरीय शैक्षिक वातावरण मिलता है'। श्रेयस अपने नाना–नानी व अपनी माँ से बेहद प्रेरित है। श्रेयस की माताजी हाईकोर्ट में एडवोकेट हैं। इसी प्रकार, अग्रिमा साहू ने भी क्लैट में अभूतपूर्व सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के आध्यात्मिक शान्ति से परिपूर्ण वातावरण को दिया। अग्रिमा अपने अंग्रेजी शिक्षक श्री अजहर से बेहद प्रभावित हैं जिन्होंने उसे सदैव आगे बढ़ते रहने को प्रोत्साहित किया। बातचीत करते हुए अग्रिमा ने प्रफुल्लित होकर कहा कि 'मैं अपने विद्यालय के संस्थापक डा जगदीश गाँधी को आदर्श मानती हूँ। वे कहते हैं बड़ा सोचो और खुद को अपनी मेहनत के दम पर ऊपर उठाओ।' सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने क्लैट परीक्षा में सभी सी.एम.एस. छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# मनरेगा में श्रमिकों की उपस्थिति मे पारदर्शिता पर फोकस : केशव

## मोबाइल मानीटरिंग सिस्टम को किया गया सुदृढ़

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में और अधिक पारदर्शिता लाने के दृष्टिगत नरेगा मोबाइल मानीटरिंग सिस्टम एनएमएमएस का प्रयोग मनरेगा श्रमिकों की उपस्थिति एवं फोटोग्राफ्स को आन लाइन फीड किया जा रहा है। सिस्टम को तकनीकी दृष्टिकोण से और अधिक मजबूत किया गया है। मनरेगा में श्रमिकों की उपस्थिति मे पारदर्शिता पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। ग्राम्य विकास विभाग से के अनुसार श्रमिकों की आनलाइन अपलोड की गयी उपस्थिति एवं फोटोग्राफ्स के विवरण को देखने हेतु नरेगा की अधिकारिक वेबसाइट दतमहं.दपब.पद के होम पेज एन एम एम एस ऐप वीयू अटेंडेंस नामक बटन उपलब्ध कराया गया है। कार्यस्थल पर श्रमिकों की उपस्थिति एवं फोटोग्राफ्स को सिस्टम में निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप अपलोड कराने के निर्देश जिला कार्यक्रम समन्वयक मनरेगा को दिए गए हैं। निर्देश दिए गए हैं कि कार्मिको द्वारा कार्यस्थल हेतु जारी प्रत्येक मस्टररोल के लिए 2 फोटो अपलोड की जाएंगी। फोटोग्राफ लेते समय श्रमिकों की कुल संख्या स्पष्ट दिखे व उनकी मुख–दिशा कैमरे की ओर रहे। कार्यस्थल का स्वरूप व सीआईबी बोर्ड स्पष्ट रूप से फोटो में प्रदर्शित होना आवश्यक है। कैमरा के लैंडस्केप मोड में ही फोटो ली जाए, पोर्स्ट्रेट मोड में नहीं। सेल्फी फोटो न ली जाए। फोटो लेते समय मोबाइल कैमरा का लेंस बिलकुल साफ रहे तथा पर्याप्त सूर्य प्रकाश में ही फोटो ली जाए। प्रत्येक दशा में पूर्व में ली गयी फोटो की फोटो खींचकर अपलोड न किया जाए। ग्राम्य विकास आयुक्त ने बताया कि कि योजना के क्रियान्वयन में श्रमिकों की उपस्थिति में पारदर्शिता पर विशेष बल दिया जा रहा है।

# वाराणसी में श्री अन्न (मिलेट्स) पर जारी किया विशेष आवरण,

## पोस्ट मास्टर बोले–देश–दुनिया में होगी इनकी ब्रांडिंग और प्रचार

वाराणसी। वाराणसी में भारतीय डाक विभाग एवं प्रयाग फिलाटेलिक सोसाइटी के तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित हुआ। वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने श्री अन्न (मिलेट्स) पर 12 दिसंबर को एक विशेष आवरण व विरूपण का विमोचन किया। प्रधान डाकघर, वाराणसी में आयोजित इस कार्यक्रम में इस विशेष आवरण पर अंतर्राष्ट्रीय पोस्ट मास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने विशेष आवरण जारी करते हुए कहा कि मिलेट्स सदियों से हमारे भोजन का पारंपरिक हिस्सा रहे हैं। मिलेट्स फसलों के क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का विश्व में प्रथम स्थान है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इसकी विशिष्टता के मद्देनजर वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। मिलेट्स को सुपर फूड भी कहा जाता है, क्योंकि इनमें पोषक तत्व ज्यादा होते हैं और पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ–साथ अन्य फसलों की तुलना में कम जल और कृषि साधनों की आवश्यकता होती है। यह आजीविका सृजन और पूरे विश्व में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी व्यापक संभावना की दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पोस्ट मास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक टिकट और विशेष आवरण अतीत को वर्तमान से जोड़ते हैं। एक जिला–एक उत्पाद, जीआई उत्पादों से लेकर कृषि उत्पादों तक, विरासतों, विभूतियों और विभिन्न पहलुओं पर डाक टिकट और विशेष आवरण देश दुनिया में इनकी ब्रांडिंग कर नई पहचान दे रहा है। समावेशी विकास के तहत श्वोकल फॉर लोकल एवं आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मूर्त रूप देते हैं। फिलेटली को हॉबी के रूप में अपनाकर युवा वर्ग भी डाक टिकटों और विशेष आवरणों के माध्यम से तमाम जानकारियां प्राप्त कर ज्ञान में रचनात्मक अभिवृद्धि कर सकेंगे। डाक विभाग प्रधानमंत्री जी की योजनाओं से समाज के हर वर्ग को जोड़ने का प्रयास कर रहा है। प्रवर डाक अधीक्षक रामनिवास कुमार ने बताया कि उक्त विशेष आवरण मय विरूपण 25 रुपए में फिलेटलिक ब्यूरो, वाराणसी प्रधान डाकघर में उपलब्ध होगा।

# अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ.-2023) का दूसरा दिन

## प्रकृति के अलौकिक सौन्दर्य को उजागर किया देश–विदेश के प्रतिभागी छात्रों ने

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर द्वितीय कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड (आई.ई.ओ.–2023) का दूसरा दिन आज बेहद ज्ञानवर्धक रहा। देश–विदेश से पधारे प्रतिभागी छात्रों ने क्विज, एलोक्यूशन, माडल मेकिंग, पेन्टिंग, गेमिंग एप्लीकेशन, कोर्टरूम ड्रामा, फोटोग्राफी एवं ए–कैपला प्रतियोगिताओं के माध्यम से वसुधा के अलौकिक सौंदर्य को उजागर किया एवं मानव जीवन मे प्रकृति के पंचतत्वों जल, वायु, अग्नि, धरती व आकाश के महत्व से रूबरू कराया। प्रतियोगिताओं का सिलसिला आज जूनियर वर्ग की 'ओवर द मून–2030 स्पेस इनोवेटर्स चैलेन्ज (मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता' से हुआ, जिसमें दो छात्रों की टीम ने नवीनतम टेक्नोलॉजी पर आधारित राकेट मॉडल्स बनाये। खास बात रही कि इन मॉडलों मे छात्रों ऊर्जा संरक्षण, सुरक्षा एवं पेलोड क्षमताओं का खास खयाल रखा। छात्रों द्वारा स्वनिर्मित इन माडलों में उनकी वैज्ञानिक सोच व कलात्मक प्रतिभा देखते ही बनती थी। इसी प्रकार, ट्री ऑफ विजडम (एलोक्यूशन) प्रतियोगिता में देश–विदेश के प्रतिभागी छात्रों ने बहुमुखी प्रतिभा का जोरदार प्रदर्शन किया। 'ट्री' थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता में दो छात्रों की टीम ने कविता पाठ व अभिनय प्रदर्शन से उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सीनियर वर्ग की बोन्साई एलीगैन्स (पेन्टिंग) प्रतियोगिता भी अत्यन्त रोचक रही, जिसमें प्रतिभागी छात्रों ने प्रकृति के सौन्दर्य को उकेरा। छात्रों के कला–कौशल, रंग संयोजन व सृजनात्मक विचारों ने दर्शकों को दाँतो तले उंगलिया दबाने पर मजबूर कर दिया। 'पिक्सेल फोर्ज (गेमिंग एप्लीकेशन) प्रतियोगिता भी बेहद आकर्षक रही, जिसमें देश–विदेश के प्रतिभागी छात्रों ने 'सस्टेनबिलिटी' थीम पर विभिन्न प्रकार के गेम एप्लीकेशन्स कम्पयूटर पर बनाये। इसी प्रकार, अपरान्हः सत्र में आयोजित 'गार्जियन्स ऑफ द ग्रीन (कोर्टरूम ड्रामा) प्रतियोगिता' बेहद आकर्षक रही। प्रतियोगिता में शामिल प्रत्येक टीम में 6 से 10 छात्र सदस्य शामिल थे, जिन्होंने वास्तविक जीवन के पर्यावरणीय विषय पर आधारित मुद्दों पर जोरदार बहस कर कोर्टरूम सजीव दृश्य उपस्थित किया। किसी ने वकील की भूमिका निभाई तो किसी छात्र ने गवाह की भूमिका में अपनी बहुमुखी प्रतिभा व अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन किया एवं प्रकृति को संरक्षित कर अपना भविष्य बचाने का संदेश दिया। सी.एम.एस. के मुख्य जन–सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय पर्यावरण ओलम्पियाड के अन्तर्गत प्रतियोगिताओं का सिलसिला कल 13 दिसम्बर को भी जारी रहेगा। कल 13 दिसम्बर, बुधवार को आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में रिदम डिवाइन (कोरियोग्राफी) एवं ट्री ऑफ रीसाइलेन्स (क्विज) प्रतियोगिता का फाइनल राउण्ड प्रमुख है।

# जनता से बेहतर समन्वय स्थापित करें अधिकारी : रवीन्द्र जायसवाल

लखनऊ। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के जनप्रिय एवं कर्मठ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उ0प्र0 प्रगति की नई ऊँचाईयों को छू रहा है। सरकार की पारदर्शिता पूर्ण कार्य प्रणाली जनता में अटूट विश्वास बना चुकी है। आजादी के इस अमृतकाल में नव–प्रोन्नत अधिकारियों को चाहिए कि वे सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेन्स की नीति से काम करते हुए जनहित को सर्वोपरि मानकर समर्पित होकर विभाग की छवि को उज्ज्वल बनाये रखें। उत्तर प्रदेश के स्टाम्प तथा पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने विभाग में नई प्रोन्नति प्राप्त अधिकारियों के अभिविन्यास कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा हमें इतनी पारदर्शी छवि वाली सरकार के अधीन कार्य करने का अवसर मिल रहा है। हमें अपने कार्यालयों का वातावरण ऐसा बनाये जिससे आमजन अपनी किसी समस्या के समाधान के लिए सीधे अधिकारियों से अपनी बात कर सके। स्टाम्प तथा पंजीयन विभाग के कुल 23 अधिकारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। इसमें 2 अधिकारी मनीन्द्र कुमार सक्सेना तथा शिव कुमार मिश्र को उप महानिरीक्षक से अपर महानिरीक्षक, 6 अधिकारी श्री कृष्ण कुमार मिश्र, प्रकाश चन्द्र गुप्ता, सुभाष चन्द्र मिश्र, सुरेश कुमार त्रिपाठी, डा राधा कृष्ण मिश्र तथा शम्भूनाथ यादव को सहायक महानिरीक्षक से उप महानिरीक्षक तथा 15 अधिकारी अनुपम सिंह, धर्मेन्द्र कुमार चौधरी, अजय कुमार द्वितीय, मीरा देवी, अनिल कुमार द्वितीय, शची कुमारी, नन्द लाल, पवित्र कुमार, अजय कुमार सिंह आर्य, धीरेन्द्र प्रसाद, रमेश चन्द्र, राजेन्द्र प्रसाद प्रथम, राम सहाय, सचिन सिंह तथा रमेन्द्र श्रीवास्तव को उपनिबंधक पद से सहायक महानिरीक्षक पद पर प्रोन्नत किया गया है। अभिविन्यास कार्यक्रम के अवसर पर प्रमुख सचिव स्टाम्प तथा पंजीयन लीना जौहरी ने अधिकारियों से कहा कि वे अपने कार्य में शुचिता और समर्पण का भाव बनाये रखें। इस अवसर पर विभाग के विशेष सचिव रवीश गुप्ता, महानिरीक्षक डा रूपेश कुमार तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में मेडिकल उपकरण चोरी, पुलिस कर रही आरोपी से पूछताछ

वाराणसी। बीएचयू ट्रॉमा सेंटर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं। वीडियो में देखा जा कि आरोपी मरीजों के इलाज में प्रयोग होने वाले इंजेक्शन और मेडिकल उपकरण को उठा रहा हैं। जिसके तुरंत बाद चोरी करते व्यक्ति को वहां तैनात पैरामेडिकल स्टाफ ने पकड़ लेता हैं। पैरामेडिकल स्टाफ की सजगता से चोरी करनेध वाले व्यक्ति को वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों द्वारा पकड़ कर पूछताछ की गई। इस पूरे मामले में ट्रॉमा सेंटर के डिप्टी चीफ प्रॉक्टर ने लंका एसओ को तहरीर दी है। आरोपी बिहार के रोहतास जिला निवासी संतोष तिवारी है। बताया जा रहा कि सीसीटीवी में आरोपी की पूरा चोरी करने का वीडियो सामने आ गया। उसके पास से चिकित्सकीय सामग्री के साथ ही ट्रॉमा सेंटर के सामने चलने वाले एक मेडिकल स्टोर का खाली बिल भी बरामद किया गया है। अस्पताल कर्मचारी ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर के गेट पर ही ट्रायज एरिया में सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे आरोपी प्रवेश करता हैं। मरीजों के आसपास घूमता रहा। कुछ देर बाद उसने यहां मरीजों के इलाज में रखा सर्जिकल ग्लब्स, कैनुला, इंजेक्शन सहित अन्य सामानों को धीरे से उठाया और रख लिया। तभी वहां मौजूद पैरामेडिकल स्टाफ की नजर उस पर पड़ी। स्टाफ को देखते ही वह बाहर की तरफ जाने लगा संदिग्ध देख उसने इस व्यक्ति को रोका तो वह भागने लगा। बाद में वहां मौजूद सुरक्षा कर्मियों की मदद से उसे पकड़ा गया। इसकी सूचना चीफ प्रॉक्टर कार्यालय को भी दी गई। लंका थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी को हिरासत में लेकर कार्रवाई की जा रही हैं। सीसीटीवी वीडियो के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।